डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 55 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 07 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया


## कांग्रेस : दिल्ली चुनाव में पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन निभाएंगी भूमिका

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** अगले वर्ष होने वाले दिल्ली विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस की कमान मध्य प्रदेश के नेता संभालेंगे। इसमें मंदसौर संसदीय क्षेत्र की पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नाम भी शामिल है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने टिकट वितरण से लेकर चुनाव की कार्ययोजना बनाने का दायित्व पार्टी ने प्रदेश के नेताओं को दिया है। टिकट के लिए नाम प्रस्तावित करने के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन को बनाया है तो वार रूम की जिम्मेदारी पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह को दी गई है। अभी हाल ही में हुए महाराष्ट्र, झारखंड और उसके पहले जम्मू कश्मीर व हरियाणा विधानसभा के चुनाव में मध्य प्रदेश के नेताओं को भेजा गया था। यहां प्रदेश के नेता सहयोगी की भूमिका में थे। लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदेश के नेताओं के ही हाथ में रहेगी।

### सुस्तीवाड़े से बाहर निकलने को तैयार नहीं खनिज विभाग...

# यहां भी जुगलबंदी का खेल..!

## प्रदेश भर में हुई कार्रवाई, मंदसौर में निभाई औपचारिकता

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिला परिवहन विभाग की भांति ही खनिज विभाग में जुगलबंदी का खेल चल रहा है। यहां खनिज माफियाओं और अधिकारियों के बीच जुलबंदी का ही परिणाम है कि जहां सीएम का निर्देश प्रदेशभर में माना जाता है। वहीं मंदसौर में खनिज माफियाओं को लगातार अभयदान दिया जा रहा है। कुछ समय पहले सीएम के निर्देश के बाद प्रदेशभर में करीब ढाई सौ प्रकरण बनाकर लगभग डेढ़ करोड रूपए का राजस्व अर्थदंड अधिरोपित किया गया। वहीं सोशल मीडिया पर चल रहे अवैध खनन के वीडियो के बाद भी मंदसौर खनिज विभाग की नींद नहीं खुली। ताजा वीडियो अभी भी वायरल हो रहे हैं, लेकिन खनिज विभाग जानबुझकर इन्हें अनदेखा कर रहा है। बारिश के बाद अब सर्दी में नदियों से रेत निकालने से लेकर जमीन का सीना चीरने का काम जिलेभर में हो रहा है। इधर खनिज विभाग हाथ पर हाथ धरकर बैठा है।

### जुगाड़ की मशीनों से रेत खींचने का काम...

चंबल नदी में नाव के बीच जुगाड़ की मशीनों का इस्तेमाल कर रेत खींचने का काम लंबे समय से चल रहा है। मंदसौर के संजीत क्षेत्र की चंबल में नाव चलाकर रेत निकाली जा रही है, जो नाव में जमा कर रहे है। इसके बाद अत्यधिक धीमी रफ्तार से रेत को लेकर यह नाव नियत स्थान पर जाकर रेत स्टॉक कर रही है। आम लोगों को रेत की ट्रॉली 5 से 6 हजार रुपए में बाजार में मिल रही है। रेत से मोटी कमाई भले ही रेत माफियाओं का यह गिरोह कर रहा है। लेकिन, शासन को इससे हर दिन राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है।

### तीस स्थानों पर रेत खनन...

मंदसौर जिले में रेतम, शिवना और चंबल नदी सहित लगभग 30 स्थानो से

रेत का अवैध खनन हो रहा है। राजनीतिक दलों से जुड़े प्रभावशाली लोग पुलिस व प्रशासन की मदद से प्रतिदिन खनन कर रहे हैं। खनिज विभाग भी इनके सामने असहाय जैसा ही है। अवैध खनन पर रोक नहीं लग पा रही है।

### बढ़ रहा प्रदूषण स्तर...

चंबल नदी के बीच चल रही नाव और इनमें जनरेटर समेत इंजन और 4 पनडुब्बियां चलने के कारण नदी में प्रदूषण स्तर भी तेजी बढ़ रहा है। यही कारण है कि नदी में लगातार बड़ी मात्रा में मछलियां भी मर रही हैं। प्रदूषण के कारण जलीय जीवों का भी पानी में सांस ले पाना मुश्किल हो रहा है। जिससे लगातार इनकी भी मौतें हो रही हैं।

# शामगढ़ सायबर फ्राड के सरगना सतीश केवट को जैल भेजा

## इंदौर से पकड़ा था, मोबाईल का डाटा डिलीट कर जमा कराया

### सायबर पुलिस बाद में लेगी रिमांड

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** शामगढ़ की दाल मिल कॉलोनी में बीती 14 नवंबर को शटर लगे हुए एक मकान पर पुलिस ने दबिश दी थी। जो सायबर फ्राड का अवैध ठिकाना था, वहां से पुलिस ने नौकरी करने वाले 21 लोगों को हिरासत में लिया था। जिनमें कुछ युवतियां भी शामिल है। वहां जामतारा की तर्ज पर शेयर ट्रेडिंग के नाम पर डायमंड रिसर्च कंपनी बनाकर लोगों से ठगी की जा रही थी। मामले में स्टेट सायबर टीम उज्जैन ने कार्यवाही की थी। उस समय सायबर फ्राड का सरगना सतीश केवट पुलिस को नहीं मिला था। मामले में पकड़े गए युवक – युवतियो का रिमांड लेकर पूछताछ की गई थी। जिसके बाद सभी को जैल भेज दिया गया था। जहां से ज्यादातर की जमानत भी हो गई है। लेकिन, सरगना सतीश पुलिस के हाथ नहीं लगा था। गुरुवार शाम एक सूचना पर सायबर पुलिस ने उसे इंदौर से गिरफ्तार किया था। शुक्रवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे सेंट्रल जैल इंदौर भेज दिया गया।

दरअसल पुलिस ने उसे जब पकड़ा तब उसने जो मोबाईल दिया, उसका सारा डाटा डिलीट कर दिया था। हालांकि, कुछ जानकारी पुलिस को मिली है। लेकिन, पूरा डाटा रिकवर करने में समय लगेगा। इसलिए पुलिस ने उसकी रिमांड नहीं ली। जब पूरा डाटा रिकवर होगा, तब उसे फिर से प्रोडक्शन वारंट हासिल कर पूछताछ के लिए लाया जाएगा। सतीश ने अपनी कंपनी का नाम डायमंड रिसर्च कंपनी रख रखा था।

### इंदौर, देवास, सीतामऊ में भी किया है काम...

पुलिस सूत्रो के मुताबिक सतीश केवट ने फर्जी कंपनी बनाकर जामताड़ा की तर्ज पर कई जगह काम कर लोगो के साथ फ्राड किया है। इसमें इंदौर, देवास, भवानीमंडी और मंदसौर के शामगढ़ के साथ ही सीतामऊ में भी आफीस चलाया था।

### कई लोगो के बताए नाम...

सतीश ने पूछताछ में बताया कि वह कुशाल के साथ मिलकर इस तरह का सायबर फ्राड करता रहा है। उसने कई अन्य लोगो के नाम भी उजागर किए है। पुलिस उन लोगो से धीरे-धीरे बुलाकर पूछताछ करेगी।

### यह मिला था मौके से...

टीम को मौके से लोगों को ठगने के लिए कॉलिंग में उपयोग हो रहे 30 फर्जी सिम, 20 एंड्रॉयड मोबाइल, 20 की पैड फोन मिले थो। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी लोगों को कॉल पर मिनिमम 10 हजार के निवेश पर प्रतिदिन 5 से 7 प्रतिशत का मुनाफा होने का झांसा देते थे।

## संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस का पैदल मार्च

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** जनता के बीच पुलिस के प्रति विश्वास और जागरूकता बढाने के लिए गुरुवार रात को पुलिस अधिकारियों ने विशेष प्रयास किया। प्रदेश के नए डीजीपी कैलाश मकवाना के निर्देश पर पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद, एएसपी गौतम सोलंकी और जिले के अन्य पुलिस अधिकारियों ने बल के साथ शहर के संवेदनशील और अपराधप्रवृत्त इलाकों में पैदल भ्रमण किया।

इस पैदल मार्च का मुख्य उद्देश्य अपराधियों में खौफ पैदा करना और आमजन को भयमुक्त वातावरण प्रदान करना था। पुलिस अधिकारियों ने इस दौरान जनता में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के लिए स्थानीय लोगों से संवाद भी किया।

## कैलाश की तलाश में मंदसौर आई यूपी पुलिस...

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** गुरुवार से उत्तरप्रदेश पुलिस मंदसौर में डेरा डाले हुए है। वहां की पुलिस को 05 किलो अफीम मामले में मंदसौर के कैलाश शर्मा की तलाश हैं। कोतवाली पुलिस का बराबर सहयोग नहीं मिलने से उसे उठाया नहीं जा सका। हालांकि, यूपी पुलिस कैलाश को पकडने के लिए मशक्कत कर रही थी। भरोसेमंद सूत्रों की माने तो शुरु में यूपी पुलिस की टीम कोतवाली के सामने ही रुकी थी। बाद में स्टेशन रोड स्थित होटल में रुकी। आरोपी के परिजनों ने मामला सेटल करने की कोशिश भी की। किन्तु, मामला सेट नहीं हो पाया। यूपी पुलिस ने घंटाघर क्षेत्र, मेघदूत नगर के बंगले सहित कैलाश के अन्य ठिकानो पर दबिश भी दी। लेकिन, खबर लिखें जाने तक यूपी पुलिस को कैलाश नहीं मीला था।

## बाइक दुर्घटनाः एक की मौत, एक घायल

**नीमच, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** गुरुवार रात जिले के जावद थाने की सरवानिया महाराज पुलिस चौकी क्षेत्र के सरवानिया महाराज-जावी मार्ग पर एक सड़क हादसा हो गया। यहां दो बाइक की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। जिन्हें तत्काल एंबुलेंस की सहायता से बड़े अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया। जबकि, दूसरे घायल का इलाज जारी है।

पुलिस के अनुसार खेरखेड़ा लासूर निवासी घनश्याम सिंह राजपूत अपनी बाइक से कही जा रहा थे। इस दौरान सामने से भरभड़िया से मजदूरी कर घर लौट रहे जावी निवासी राजू भील की बाइक जा भिड़ी। इस आमने-सामने की टक्कर में घनश्याम सिंह राजपूत गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे उनकी मौत हो गई। जबकि, राजू भील का भी पैर फ्रैक्चर हो गया। सरवानिया महाराज पुलिस चौकी प्रभारी असलम खान ने बताया कि मृतक के शव का शुक्रवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में नीमच के बड़े अस्पताल में पोस्टमॉर्टम किया गया है। इसके बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

# बोरे में बंद मिले मासूम की उपचार के दौरान मौत

## ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, आरोपी पुलिस हिरासत में

**भानपुरा, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** बीते छह दिनों से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा 12 साल का मासूम बालक जिंदगी से जंग हार गया। शुक्रवार सुबह राजस्थान के झालावाड अस्पताल में उसकी मौत हो गई। बच्चें की मौत की खबर मिलने के बाद से ही ग्राम गणेशपूरा, अंत्रालिया समेत आसपास के ग्रामीणों में आक्रोश था, हजारो लोग आरोपी की गिरफ्तारी समेत कडी कार्रवाही की मांग को लेकर गरोठ-भानपुरा रोड पर अंत्रालिया फंटे पर चक्काजाम कर दिया। इधर पुलिस ने बच्चें की हत्या की साजिश कर फरार हुए आरोपी को घटना के पांच दिन बाद मप्र व राजस्थान की सीमा पर स्थित गरोठ-भवानीमंडी के बीच कुरलासी रेलवे स्टेशन के पास जंगल से गिरफ्तार किया है। अब पुलिस पकडे गऐ बदमाश से पूछताछ करेंगी। इसके बाद ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा होगा।

जानकारी के मुताबिक 01 दिसम्बर को भानपुरा तहसील के ग्राम अंत्रालिया के पास स्थित कब्रस्तान के पास से पत्थरों के नीचे दबे हुए कट्टे में बंधा हुआ बालक गंभीर हालत में मिला था। जिसकी पहचान ग्राम गणेशपुरा के जगदीश पिता कारूलाल भांभी उम्र 12 साल के रूप में हुई थी। गंभीर रूप से घायल बच्चें को प्राथमिक उपचार के बाद राजस्थान के झालावाड रैफर किया था, तब से ही मासूम जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रहा था। इसी बीच शुक्रवार की सुबह करीब 7 बजे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

बच्चें की मौत की खबर से ग्राम गणेशपुरा, अंतरालिया समेत कई गांवों के ग्रामीणजन एकत्र हो गए और आरोपी की गिरफ्तारी तथा आरोपी का घर गिराने समेत कडी कार्रवाही की मांग को लेकर भानपुरा से लगभग 13 किलोमीटर दूर गरोठ-भानपुरा रोड अंत्रालिया फंटे पर पानी की टंकी के पास मुख्य सडक पर चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम की खबर लगते ही तहसीलदार भानपुरा विनोद कुमार शर्मा एवं थाना प्रभारी रमेशचंद दांगी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर चक्काजाम खुलवाने का प्रयास किया। लेकिन, ग्रामीण कठोर कार्रवाहीं के बिना मानने के लिए तैयार नहीं थे। इसी बीच आरोपी को गिरफ्तार कर लिए जाने की जानकारी पुलिस ने ग्रामीणों को दी। लेकिन, ग्रामीणों को इस पर भरोसा नहीं हुआ तो पुलिस ने वीडियों कॉल के माध्यम से आरोपी को दिखाया, इसके बाद ग्रामीण माने। ईधर झालावाड में पांच चिकित्सकों की पैनल ने मृतक का पोस्टमार्टम किया और शव को ग्राम गणेशपुरा भिजवाया। देर रात को मृतक का शव उसके गांव पहुंचा।

**पांच दिन बाद आरोपी गिरफ्तार–** घटना के बाद से ही पुलिस आरोपी प्रहलाद पिता गणेश भांभी की तलाश कर रहीं थी। उसकी तलाश में पुलिस ने भानपुरा, गरोठ, कोटा, सवाई माधोपूर से लेकर जयपुर, अजमेर तक तलाश करती रही। लेकिन, आरोपी हाथ नहीं आया। इसी बीच गुरूवार को पुलिस ने उसे मप्र व राजस्थान की सीमा पर गरोठ-भवानीमंडी के बीच कुरलासी रेल्वे स्टेशन के निकट जंगल से हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 103 भारतीय दंड विधान के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी से गहन पूछताछ की जाऐगी इसके बाद ही पूरे घटनाक्रम के बारे में पता चल सकेगा।

### ग्राम ढाकनी में 30 लोगों ने मिलकर दलित परिवार पर किया हमला...

# एक महिला की मौत, तीन घायल

## गुस्साएं लोगों ने किया चक्का जाम, परिजनों ने की आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग

**गरोठ, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** क्षेत्र के ग्राम ढाकनी में पांच गाडियों में सवार होकर आए करीब 30 लोगों ने एक दलित परिवार पर हमला बोल दिया। इस दौरान फायरिंग में दलित परिवार की एक महिला की मौत हो गई। जबकि, तीन अन्य घायल हो गए। इधर, घटना से गुस्साए लोगों ने शव रखकर चक्काजाम कर दिया। परिजनो ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। यह वारदात शुक्रवार सुबह करीब 9.30 से 10 बजे के बीच की है। विवाद सरकारी जमीन पर गाय बांधने को लेकर हुआ था। बताया जा रहा है कि दलित परिवार यहां गाय बांधता है, जिस पर गांव के ही कुछ लोगों को आपत्ति है। आरोपी बंदूक, तलवार और लाठी-डंडे लेकर आए थे। ये घटना जिले के गरोठ थाना क्षेत्र ढाकनी गांव में शुक्रवार सुबह कर 9.30 से 10 बजे के बीच की है। विवाद सरकारी जमीन पर गाय बांधने को लेकर हुआ था। बताया जा रहा है कि दलित परिवार यहां गाय बांधता है, जिस पर गांव के ही कुछ लोगों को आपत्ति है। आरोपी बंदूक, तलवार और लाठी-डंडे लेकर आए थे।

**महिला के पति के भी हाथ में गोली लगी–** फायरिंग में मारी गई महिला का नाम सुगना बाई था। सुगना के बेटे सुखदेव और पति बलराम ने बताया कि गांव के नरेंद्र सिंह और उसके पिता ने हमला कराया है। बलराम के हाथ में भी गोली लगी है। उन्हें मंदसौर रेफर कर दिया गया है। बाकी 2 घायलों को गरोठ के अस्पताल लाया गया। अस्पताल में काफी भीड जमा हो गई। एएसपी हेमलता कुरील भी अस्पताल पहुंचीं।

**गुस्साए लोगों ने किया चक्काजाम–** हत्या की इस वारदात के बाद गुस्साए परिजन और समाज के लोगों ने शव रखकर चक्काजाम कर दिया। परिजन ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने गरोठ नगर के बोलिया, शामगढ, भानपुरा और खडावदा रोड जाम कर दिया। फिलहाल स्थिति को देखते हुए शामगढ, भानपुरा और सुवासरा समेत अन्य थानों का पुलिस बल यहां तैनात किया गया है।

**चार संदिग्ध लोगों को किया राउंडअप–** एएसपी हेमलता कुरील ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में हमलावरों के नाम अर्जुन सिंह, नरेंद्र सिंह, जेलर सिंह, प्रताप सिंह पता चले हैं। सभी की तलाश की जा रही है। पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद ने बताया कि मामले में पुलिस ने ... शेष पेज 4 पर


कार्यालय नगर पालिका परिषद्, मन्दसौर (म.प्र.)

आमंत्रण पत्र

सहर्ष निवेदन है कि मन्दसौर नगर का

"गौरव दिवस"

8 दिसम्बर 2024 को मनाया जा रहा है।

समस्त कार्यक्रमों में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है

गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

दिनांक 7 दिसम्बर 2024, शनिवार (गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर)

दीप प्रज्जवलीत – सायं 4.00 बजे

स्थान : सौंधनी विजय स्तंभ, मंदसौर

सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा एवं नगर में स्थित सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्जवलन

सायं 6.00 बजे

दिनांक 8 दिसम्बर 2024, रविवार (गौरव दिवस)

आकर्षक भव्य आतिशबाजी – सायं 5.30 बजे

मन्दसौर गौरव दिवस पर संस्कृति दर्शन (देश भक्ति गीत माला)

सायं 6.00 बजे

स्थान : तैलिया तालाब परिसर, मंदसौर

: निवेदक :

नगर पालिका परिषद्, मन्दसौर (म.प्र.)

## विचार-मंथन

# चीन सीमा विवाद को लेकर राहत की उम्मीद

अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को सहज और शांतिपूर्ण रखने के लिए भारत ने न केवल अपनी ओर से हर स्तर पर पहल की है, बल्कि कई बार विपरीत स्थितियों में भी सकारात्मक रुख दिखाया है। मगर लंबे समय से पाकिस्तान और चीन के रवैये की वजह से सीमा पर अक्सर तनाव और टकराव के हालात पैदा होते रहे हैं और उसके लिए कौन जिम्मेदार रहा है, वह अब दुनिया जानती है। बिना किसी उकसावे के चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास जिस तरह की गतिविधियां चलाता है, उसे किसी भी कसौटी पर उचित नहीं कहा जा सकता। भारत कूटनीतिक स्तर पर इस मसले को अक्सर उठाता रहा है। समय-समय पर होने वाली बातचीत के बाद कुछ समय तक सीमा पर शांति की स्थिति दिखती है, मगर फिर चीन की ओर से कोई न कोई ऐसी गतिविधि शुरू हो जाती है, जिससे उसकी मंशा पर संदेह होता है। ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब भारत और चीन के बीच बातचीत के बाद कई सकारात्मक पहलकदमियां हुई और शांति बहाली की उम्मीद जगी। इसके तहत वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने सैनिकों को पीछे लौटाने के कदम उठाए गए। मगर पिछले कुछ वर्षों में भारत को लेकर चीन का जैसा रुख सामने आया है, उसके मद्देनजर यह आशंका लगातार बनी हुई है कि दोनों देशों के बीच तनाव के हालात में सुधार की स्थितियां कब तक बनी रहेंगी। अब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता ने बहुस्तरीय तनाव में बढ़ोतरी की है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर फिलहाल शांति को भारत राहत के रूप में देख सकता है, लेकिन अगर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की गतिविधियों की वजह से दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है, तो यह भारत के लिए भी सचेत रहने का वक्त है। शायद यही वजह है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती चिंता की पृष्ठभूमि में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीन की सेना के बीच गतिरोध भले खत्म हुआ है, मगर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की मंशा नहीं बदली है। उस क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में चीन की सैन्य ताकत का प्रदर्शन भारत के लिए चिंता का विषय है। यह हकीकत है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीन खुद को इस रूप में पेश कर रहा है, जिसमें उसे दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति के तौर पर देखा-माना जाए। यह उसकी अपनी स्थितियों के अनुकूल हो सकता है, लेकिन इस क्रम में वह अपने पड़ोसी देशों की संप्रभुता का हनन या उनके सामने जोखिम पैदा करके करना चाहता है, तो यह हर लिहाज से गलत है। सवाल है कि अरुणाचल प्रदेश में उसकी गतिविधियों को किस रूप में देखा जाएगा और उसके क्या कारण हैं? भारत अगर सीमा से संबंधित विवाद के सभी प्रश्नों का हल करना चाहता है, तो चीन को इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए और अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ शांति के लिए बनी सहमति पर अमल करना चाहिए।

# दिल्ली विस चुनावः आप को क्यों नहीं चाहिए कांग्रेस का साथ?

**कमलेश पांडे**

समझा जाता है कि कभी केंद्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के जबड़े से 2013 में उसकी सूबाई सत्ता छीनना और फिर केंद्र में सत्तारूढ़ हुई भाजपा के कसते सियासी शिकंजे के बावजूद 2015 और 2020 में भी यहां की सत्ता को बचाए रखना दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की बहुत बड़ी राजनीतिक सफलता है, जिसके लिए उन्हें नाकोंचने चबाने पड़े। इसके ही खातिर उन्हें तिहाड़ जेल तक जाना पड़ा, जहां से फिलवक्त बेल पर वह बाहर हैं। दरअसल, हाइब्रीड पॉलिटिकल पार्टी आप एक अलबेली राजनीतिक पार्टी है, जो कई मामलों में भाजपा और कांग्रेस से अलग है तथा क्षेत्रीय दलों से काफी आगे है। कांग्रेस एवं उसकी विरोधी रही जनता पार्टी व जनता दल और भाजपा के अलावा आप एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जो एक के बाद दूसरे राज्य में अपने बलबूते सरकार बनाने में सफल हुई और सफलता पूर्वक उसका संचालन कर रही है। युवा पेशेवरों की यह पार्टी तमाम विवादस्पद मुद्दों में निष्पक्ष अंदाज रखती आई है। हालांकि, केंद्रीय सत्ता तक पहुंचना अभी भी उसके लिए नई दिल्ली दूर है जैसा प्रतीत होता है। हालांकि इंडिया गठबंधन की शोहबत और भाजपा के धुर विरोध में आप को भी अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की नीति अपनानी पड़ी है। आरक्षण सम्बन्धी दुविधाजनक स्टैंड लेना पड़ा। भ्रष्टाचार के अंध कुएं में गोते लगाने पड़े हैं। शानोशौकत के वास्ते शीश महल (मुख्यमंत्री का आवास) तक बनवाने पड़े। वहीं, जनता को रिश्वत स्वरूप मुफ्त बिजली-पानी देने की उसकी शुरुआत और शिक्षा-स्वास्थ्य सम्बन्धी जनसुविधा आज सभी पार्टियों के एजेंडे में शामिल हो चुका है। इसे भारतीय राजनीति में रेवड़ी कल्चर कहा जाता है जिसकी शुरुआत आप ने की है। कांग्रेस/भाजपा आदि तो इस मामले में अब आप से भी दो कदम आगे बढ़ चुके हैं। देखा जाए तो 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं जिसमें अपनी भरोसेमंद सहयोगी मंत्री रहीं आतिशी मर्लेना को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री बनाया जाना भी शामिल है। वहीं, हाल ही में उन्होंने दूसरी महत्वपूर्ण घोषणा की है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में वह कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेंगे। शायद यह हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप के प्रति कांग्रेस की ओर से दिखाई गई राजनीतिक बेरुखी का असर और प्रतिक्रिया स्वरूप करारा जवाब है, क्योंकि तब भी कांग्रेस-आप का गठबंधन टूट गया था। फ़लसफ़ा यह निकला कि कांग्रेस हरियाणा की सत्ता में आ नहीं पाई और वहां पर अपने बलबूते चुनाव लड़ी आप का खाता तक नहीं खुला, जबकि यह आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल का गृह प्रदेश भी है। हालांकि यह बात सभी जानते हैं कि गठबंधन में रहते हुए भी आप ने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कांग्रेस से अपने वर्चस्व वाले एक प्रान्त दिल्ली में गठबंधन तो दूसरे प्रान्त पंजाब में दोस्ताना संघर्ष किया। इस दौरान आप पार्टी पंजाब की 13 लोकसभा सीटों में से मात्र 3 सीटें ही जीत पाई, जबकि कांग्रेस को 7 सीटें मिलीं। यही बात आप को अखड़ रही। वहीं, दिल्ली में भी उसने लोकसभा की 7 सीटों में से 3 सीटें कांग्रेस को दी थी, लेकिन दोनों पार्टियां यहां जीरो पर आउट हो गई। क्योंकि यहां भी सियासी तालमेल नदारत दिखा था। परिणाम यह हुआ कि सातों लोकसभा सीटों पर भाजपा जीत गई, जो पहले भी सभी सीटों पर काबिज थी। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या दिल्ली में मुकाबले को त्रिकोणीय बना पाएगी कांग्रेस? क्योंकि जहां जहां भी त्रिकोणीय मुकाबले की नौबत आती है तो अक्सर सत्ता पक्ष फायदे में रहता है। आप के लिए यह स्थिति यहां भी फायदेमंद हो सकती है। चूंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की लगभग सभी संभावनाएं समाप्त हो गई हैं। जिससे यह तय हो चुका है कि दोनों पार्टियां चुनावी मैदान में एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी होंगी। ऐसे में आप से ज्यादा कांग्रेस का चुनावी सफर मुश्किल नजर आ रहा है। वहीं, गठबंधन में फूट की खबर सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। जैसे ही दिल्ली विधान सभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन के दो अहम दलों, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की ओर से साफ संकेत मिला कि इस बार दोनों पार्टियां चुनावी रण में एक-दूसरे के सामने खड़ी होंगी। तो सबसे ज्यादा चर्चा कांग्रेस को लेकर चलने लगी। क्योंकि जो कांग्रेस कुछ वक्त पहले तक अरविंद केजरीवाल के खातिर बीजेपी से लड़ रही थी। अब वही कांग्रेस आखिर आम आदमी पार्टी और केजरीवाल के खिलाफ कैसे मोर्चा खोलेगी, यक्ष प्रश्न है? हालांकि मौजूदा सियासत में विचारों का उलट फेर एक आम सी बात हो गई है। चूंकि दिल्ली की जनता सूझबूझ वाली है। ऐसे में कांग्रेस के लिए राह आसान नहीं होगी। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि दिल्ली में कांग्रेस त्रिकोणीय मुकाबला बनाने की स्थिति में नहीं है। दिल्ली की सियासत में कांग्रेस और आप के बीच रिश्ते स्वार्थ वाले रहे हैं। मसलन, जिस आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर कांग्रेस को दिल्ली की सत्ता से बेदखल किया था, वही आम आदमी पार्टी जब खुद भ्रष्टाचार के आरोप में घिरी तो कांग्रेस से हाथ मिला लिया। अलबत्ता, कांग्रेस ने भी अपने सियासी फायदे को देखकर आप से हाथ मिलाने में ही समझदारी समझी, क्योंकि बीजेपी से अकेले टकराना, दोनों पार्टियों के बस से बाहर था। बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को इससे आप से ज्यादा फायदा मिला। खासकर पंजाब में वह आप से दुगुनी से अधिक लोकसभा सीटें जीतने में कामयाब रही। जबकि दिल्ली की प्रबुद्ध जनता इस सांठगांठ को अच्छे समझ गई। इसलिए लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टी के गठबंधन को नकार दिया। जिस तरह से आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की संभावना से बीते रविवार को इनकार किया, उससे इंडिया गठबंधन के भविष्य को लेकर भी तरह तरह के सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि केजरीवाल ने कहा कि, दिल्ली में कोई गठबंधन नहीं होगा। हालांकि आप और कांग्रेस 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं। दोनों दलों ने इस साल की शुरुआत में दिल्ली में लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था, लेकिन किसी भी सीट पर गठबंधन को जीत नहीं मिली थी और सभी 7 सीट बीजेपी ने जीती थीं। बता दें कि दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए 2025 में चुनाव होंगे। 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं बीजेपी को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी।

# समुद्र के रास्ते मादक पदार्थों की तस्करी, भारत और श्रीलंका की नौसेनाओं के बीच सहयोग का महत्व



**अरूनिम भुइयां**

श्रीलंकाई नौसेना ने मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए भारतीय नौसेना के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाने की मांग की है, इसे श्रीलंका और भारत के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग के क्षेत्र में एक बड़े घटनाक्रम के रूप में देखा जा सकता है। पिछले महीने भारतीय नौसेना ने श्रीलंकाई नौसेना को दो श्रीलंकाई ध्वज वाली मछली पकड़ने वाली नौकाओं को पकड़ने में मदद की थी, जो मादक पदार्थ ले जा रही थीं। यह पहला ऐसा मामला था जब श्रीलंकाई नौसेना को समुद्र में भारतीय नौसेना से मदद मिली। इसके बाद श्रीलंकाई नौसेना ने यह पहल की। श्रीलंका के न्यूज पोर्टल डेली मिरर की एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंकाई नौसेना के कमांडर वाइस एडमिरल प्रियंता परेरा ने कहा है कि उनका बल भारतीय नौसेना के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में, विशेष रूप से समुद्र में, मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए संयुक्त संचालन बढ़ाने की योजना बना रहा है। पिछले महीने की घटना का जिक्र करते हुए वाइस एडमिरल परेरा ने कहा कि समुद्र में संभावित मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने पर, श्रीलंकाई अधिकारियों ने कोलंबो में भारतीय उच्चायोग से संपर्क किया। उन्होंने कहा, डिफेंस अताशे ने तुरंत कार्रवाई की और तस्करी करने वाले जहाजों का पता लगाने और उन पर नजर रखने के लिए विमान और हाई-टेक ड्रोन तैनात करके भारतीय नौसेना को शामिल किया। श्रीलंकाई अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हुए, नशीले पदार्थों से लदे जहाजों को जब्त करने के लिए भारतीय नौसेना के दो जहाज भेजे गए। भारतीय उच्चायोग के एक बयान के अनुसार, अरब सागर में श्रीलंकाई ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाजों द्वारा संभावित मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में श्रीलंकाई नौसेना से मिली जानकारी के आधार पर, भारतीय नौसेना ने नावों को रोकने के लिए समन्वित अभियान के माध्यम से त्वरित कार्रवाई की। बयान में कहा गया है, भारतीय नौसेना के लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान और दूर से संचालित विमान द्वारा व्यापक निगरानी की गई, जो गुरुग्राम में सूचना संलयन केंद्र (हिंद महासागर क्षेत्र) से प्राप्त इनपुट के आधार पर थी। इसके बाद अभियान को बढ़ाने के लिए भारतीय नौसेना के एक जहाज को तैनात किया गया। उच्चायोग ने बयान में कहा है कि श्रीलंकाई नौसेना से लगातार मिल रही सूचनाओं और भारतीय नौसेना के विमानों द्वारा हवाई निगरानी के आधार पर दोनों नौकाओं की पहचान की गई। इसके बाद, समन्वित अभियान में, 24 और 25 नवंबर को जहाज की बोर्डिंग टीम द्वारा दोनों नौकाओं को पकड़ा गया और लगभग 500 किलोग्राम मादक पदार्थ (क्रिस्टल मेथ) जब्त किया गया, जिसकी कीमत 170 बिलियन श्रीलंकाई रुपये थी। दोनों नौकाओं, चालक दल और जब्त मादक पदार्थों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए समुद्र में श्रीलंकाई नौसेना के जहाज को सौंप दिया गया। भारतीय उच्चायोग के बयान में आगे कहा गया कि यह अभियान क्षेत्रीय समुद्री चुनौतियों का संयुक्त रूप से समाधान करने और हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोनों नौसेनाओं के संयुक्त संकल्प का प्रतीक है। बयान में कहा गया कि भारत सरकार ने श्रीलंका को भारतीय नौसेना का एक डोर्नियर समुद्री विमान भी प्रदान किया है, ताकि द्वीप राष्ट्र की समुद्री निगरानी क्षमता को बढ़ाया जा सके। यह इस क्षेत्र में भारत को पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में फिर से स्थापित करता है और यह भारत और श्रीलंका के लोगों के लिए दोनों देशों और नौसेनाओं के बीच घनिष्ठ संबंधों के लाभों का भी प्रमाण है। गौरतलब है कि प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेन के चौराहे पर हिंद महासागर में श्रीलंका का स्थान इसे समुद्री सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनाता है। संकीर्ण पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी दोनों देशों और उससे आगे के क्षेत्रों के बीच अवैध तस्करी के लिए एक गलियारे के रूप में काम करती है।

# अमेरिका को डॉलर की चिंता

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को चेतावनी दी है कि यदि वे अमेरिकी डॉलर का विकल्प तैयार करने का प्रयास करेंगे तो उन्हें अमेरिकी बाजार से बाहर किया जा सकता है। ट्रंप की यह चेतावनी ब्रिक्स देशों के अक्टूबर सम्मेलन के जवाब में है, जिसमें नॉन-डॉलर ट्रांजेक्शन पर चर्चा हुई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपनी दूसरी पारी की औपचारिक शुरुआत करने से पहले ही डॉनल्ड ट्रंप धमकी भरी घोषणाओं से सनसनी फैलाने लगे हैं। उनकी ताजा घोषणा ब्रिक्स देशों के नाम जारी की गई इस धमकी के रूप में आई है कि अगर इन देशों ने अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने या अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में उसका कोई विकल्प लाने का प्रयास किया तो उन्हें अमेरिकी बाजार से हाथ धोना पड़ सकता है। ध्यान रहे, ब्रिक्स में रूस और चीन जैसे फिलहाल अमेरिका विरोधी माने जाने वाले देश ही नहीं भारत, ब्राजील और साउथ अफ्रीका के साथ ही अब इजिप्ट, ईरान और,-श्च भी हैं।

**अक्टूबर सम्मेलन :** ट्रंप का यह बयान ब्रिक्स देशों के अक्टूबर में हुए शिखर सम्मेलन का जवाब माना जा रहा है, जिसमें नॉन-डॉलर ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई थी। हालांकि सम्मेलन के आखिर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साफ कर दिया था कि सिस्टम सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशल टेलिकम्युनिकेशन जैसी वित्तीय संरचना का विकल्प खड़ा करने की दिशा में अब तक ठोस कुछ नहीं किया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि ब्रिक्स को ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे उसकी छवि ऐसी बने कि वह वैश्विक संस्थानों की जगह लेना चाहता है।

**अमेरिकी दबदबा :** इसके बावजूद अगर ट्रंप इतने आशंकित हैं कि ब्रिक्स देशों से डॉलर का विकल्प खड़ा न करने की गारंटी मांग रहे हैं तो वह अकारण नहीं है। सच यह है कि समय-समय पर कई देशों ने नॉन-डॉलर ट्रांजेक्शन की गुंजाइश तलाशने का प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रयास किया है। खासकर, अमेरिका ने जिस तरह से 2012 में ईरान और 2022 में रूस को स्विफ्ट से बाहर करके अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन की इस व्यवस्था पर अपना दबदबा साबित किया, उसके बाद ऐसे प्रयासों की जरूरत ज्यादा महसूस की जाने लगी।

**धमकी का असर :** बड़ा सवाल यह है कि क्या डॉनल्ड ट्रंप की यह धमकी सौदेबाजी के मकसद से दी गई है या वह 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद संभालने के बाद सचमुच इस पर अमल करने वाले हैं। एक्सपर्ट्स की राय इस पर बंटी हुई है, लेकिन इतना तय है कि यह काम ट्रंप के लिए आसान नहीं साबित होने वाला। अगर वह अपनी इस घोषणा को अमली जामा पहनाने पर अड़े रहे तो संभव है कि फायदे के बदले अमेरिकी अर्थव्यवस्था का और नुकसान करा बैठें।

**भारत रहे सतर्क :** जहां तक भारत के रुख का सवाल है तो उसे इस मामले में फूंक-फूंक कर कदम रखना होगा। यह सही है कि डॉलर के बजाय अपनी करेंसी में द्विपक्षीय लेनदेन की गुंजाइश बनाए रखना और जरूरत के मुताबिक उसका इस्तेमाल करना भारत के हक में है, लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि डॉलर के दबदबे में कमी प्रकारांतर से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में चीन का प्रभाव अप्रत्याशित रूप से बढ़ा सकती है।

# फूले, आंबेडकर, हेडगेवार ने समाज को एकता के सूत्र में बाधने के लिए जीवन खपा दिया- सुखाड़िया

**मनासा, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की पुण्यतिथि एवं सामाजिक समता दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई मनासा द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम पर मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्रीमान चेतस जी सुखाड़िया भैरू प्रसाद जी परमार (समाजसेवी) एवं नगर अध्यक्ष सुलेख बाहेती नगर मंत्री आदित्य पोरवाल मंचासीन थे।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री चेतसजी सुखाड़िया का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जिसमे उन्होने

बताया की शिक्षा व्हाइट कॉलर जॉब के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र के उत्थान के लिए होनी चाहिए साथ ही बाबा साहब ने किस प्रकार विषम परिस्थितियों के बावजूद संविधान के निर्माण में अपना योगदान दिया। उनके जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। सामाजिक समरसता किसी एक के प्रयास से नहीं अपितु सभी के प्रयास से संभव हो पाएगी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का कार्यकर्ता नारों को दोहराने वाला कार्यकर्ता नहीं बल्कि सामाजिक समरसता के कर्मों को निष्ठा से करने वाला कार्यकर्ता है। इस अवसर




पर अभाविप के प्रांत संगठन मंत्री निलेश जी सोलंकी राष्ट्रीय कार्य परिषद के सदस्य योगेश जी रघुवंशी विभाग संगठन मंत्री प्रकाश जी परमार विभाग सहयोजक हेमंत जी रावत ज़िला विद्यार्थी विस्तारक दिव्यांश जी ठाकुर एवं बड़ी संख्या में सभी विद्यार्थी गण, विद्यार्थी परिषद के सभी दायित्व वान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम कार्यक्रम का संचालन प्रांत कार्यकारिणी सदस्य स्नेह सारडा ने किया एवं आभार नगर मंत्री आदित्य पोरवाल ने किया।

## बारहवीं के छात्र ने प्रिंसिपल के सिर में मारी गोली, मौत

**छतरपुर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमोरा के प्रिंसिपल एसके सक्सेना की उसी स्कूल में पढ़ने वाले 12वीं के छात्र सदम यादव ने गोली मारकर हत्या कर दी। गोली लगने से प्राचार्य की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जब प्राचार्य बाथरूम में गए थे तब छात्र पीछे से पहुंचा और कट्टे से सिर में गोली मार कर की हत्या कर दी।

बताया जा रहा है कि प्रिंसिपल की हत्या करने के बाद छात्र प्रिंसिपल की स्कूटी लेकर भागा। सूचना मिलते ही एसपी अगम जैन, एएसपी विक्रम सिंह सहित भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद हैं। घटना के पीछे छात्र को परेशान करने का कारण भी सामने आया है। पुलिस जांच में जुटी है। छात्र अभी मौके से फरार है। घटना को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी का कहना है कि जिस छात्र ने गोली मारी है, वह इसी स्कूल में पढ़ता है। और क्या कारण घटना से जुदा हो सकता है इसको लेकर भी हम संबंधित अधिकारियों के और शिक्षकों के कम दर्ज कराएंगे।

## जिला कांग्रेस अजा विभाग ने बाबा साहेब का महानिर्वाण दिवस मनाया

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिला कांग्रेस अजा विभाग मंदसौर द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महानिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अभिभाषक श्री प्रकाश रातड़िया ने कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर सिर्फ दलित समाज के ही सम्पूर्ण देश, जाति व धर्म के पैरोकार थे। विविधता वाले देश को संविधान के माध्यम से एकता में पिरोने का कार्य डॉ. अम्बेडकर द्वारा किया गया। बाबा साहेब ने यह साबित किया कि शिक्षा व प्रतिभा जाति या धर्म देखकर नहीं आती है। प्रदेश कांग्रेस सचिव महेन्द्रसिंह गुर्जर ने कहा कि आर्थिक राजनीतिक और सामाजिक असमानता जब तक दूर नहीं होगा तब तक बाबा साहेब के सपने को पूरा नहीं किया जा सकता है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देश के नौजवान पीढ़ी को देश के लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के लिये आगे आकर लड़ना होगा। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस महामंत्री वरिष्ठ नेता लक्ष्मण मेघनानी, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीमती रूपल संचेती, पूर्व पार्षद जगदीश जटिया, मण्डलम अध्यक्ष दशरथ राठौर, युवा नेता एवं अभिभाषक अशांशु संचेती, मनोहर नाहटा, राजेश फरक्या चाचा, शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अजा विभाग अध्यक्ष मनोहर रत्नावत, सुखलाल सूर्यवंशी, घनश्याम लोहार, बंशीलाल रत्नावत सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अजा विभाग जिलाध्यक्ष संदीप सलोद ने किया व आभार वरिष्ठनेता पूर्व पार्षद कचरमल जटिया ने माना।

# दिलीप कुमावत का इंडियन आर्मी में चयन

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** बचपन से ही देश सेवा का सपना संजोने वाले दिलीप कुमावत कडवार इंडियन आर्मी ज्वाइन कर शुक्रवार को खाकी वर्दी में पहली बार घर पहुंचे तो हर कोई खुशी से झूम उठा। द्व-झ-थ्द्व-थ् वर्षीय दिलीप कुमावत के स्वागत में कुमावत समाज व अन्य लोगों ने पलक-पांवड़े बिछा दिए। पूरा नरसिंहपुरा क्षेत्र उसकी खुशियों में शरीक हुआ। हर कोई कोई जमकर नाचा।

आर्मी मेन दिलीप कुमावत के माता उलासी देवी व पिता पुष्कर कुमावत कडवार एक किसानी का काम करते है। दिलीप कुमावत शुक्रवार को जब द्व-त्र माह बाद ड्यूटी से घर लौटे तो घर एवं नगर में खुशी का माहौल बन गया। परिवार सहित समाजजन ने जगह-जगह (आर्मी अग्निवीर सैनिक) पुष्प मालाओं से स्वागत किया। दिलीप कुमावत ने बताया कि मेरे मन में बचपन से ही यह ख्याल रहा है कि वह आर्मी जॉइन कर देश की सेवा करेंगे। इसके लिए उन्हे कितना भी संघर्ष करना पड़ेगा तो भी वह करने के लिए तैयार है। कुमावत ने बताया कि मैं सभी दोस्तों से यही कहना चाहता हूं कि लगातार संघर्ष करते रहे और कभी हार ना माने। एक दिन एसा समय आएगा जो आप विजयपथ हासिल करके ही रहोगे। शुरुआती दौर में मुझे भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा लेकिन मैने हार नहीं मानी। मैं हमेशा के लिए संघर्ष करता ही रहा हूं। मेरे परिवार के साथ मेरे माता पिता का पूरा सहयोग रहा है। कुमावत ने बताया कि उन्होने इससे पहले भी सेना में जाने का प्रयास किया था लेकिन उसमें वह असफल रहे है। उन्होने ने हार न मानते हुए फिर से सेना में जाने के लिए कोशिश की और उन्हे सफलता मिल गई।

## जनसहयोग से बोरी बधांन कर जल संरक्षण में निभाई अहम भूमिका

**नाटाराम/सीतामऊ, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति द्वारा क्यामपुर सेक्टर क्रमांक 1 की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नाटाराम द्वारा जिला समन्वयक तृप्ती वैरागी के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा की विशेष उपस्थिति में बोरीबंधान किया गया। जिसमें डॉक्टर दिलीप पाटीदार ने बताया कि वर्षों से जन सहयोग से यहां मिट्टी डालकर बोरीबंधान कर जल संरक्षण किया जा रहा है। जिससे पशु पक्षियों को पानी पीने में भी आसानी रहती हैं। साथ ही भूमिगत जल संरक्षण भी अधिक से अधिक मात्रा में होता है। नहर का पानी आने बोरीबंधान के स्थान पर कृषीं भुमी की सिंचाई भी की जाती है। जिससे भी किसानों को फायदा मिलता है। नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति द्वारा किए गए बोरी बनाने में विशेष रूप से परामर्शदाता हेमंत गौड, हरिओम गंधर्व एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नाटाराम के उपाध्यक्ष बापूलाल जाट, दिलीप पाटीदार, घनश्याम पाटीदार ,सुनील पाटीदार, अशोक गंधर्व ,गोपाल सेन, श्यामलाल धनगर सहित किसान एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# सड़क पर शव रख किया चक्का जाम

## दुर्घटना में युवक की मौत पर परिजन हुए नाराज, मौके पर पहुंचे तहसीलदार समेत कई अधिकारी

**मनासा, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** रामपुरा तहसील कार्यालय के समीप नीमच- झालावाड़ मार्ग पर शुक्रवार सुबह गांव हतुनिया के ग्रामीणों ने एक युवक के शव को रखकर चक्का जाम कर दिया। दरअसल युवक की गुरुवार रात में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। युवक निर्माणाधीन ग्रीन को कंपनी में सिक्योरिटी का कार्य करने वाली कंपनी के अधीन सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था।

युवक मनोहर पिता नंदलाल मालवीय उम्र 36 वर्ष अपने गांव हतुनिया से रोजाना की तरह खिमला स्थित एक कंपनी के निर्माणाधीन ग्रीको कंपनी की इकाई पर सिक्योरिटी गार्ड की ड्यूटी करने जा रहा था। इसी दौरान रामपुरा के पुराने बस स्टैंड के समीप झालावाड़ की ओर से आ रहे दूसरे बाइक सवार से उसकी बाइक की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में उसकी मौत हो गई। शुक्रवार सुबह मृतक के शव का रामपुरा के सरकारी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मगर परिजनों ने शव ले जाकर तहसील कार्यालय के समीप नीमच झालावाड मार्ग पर रख कर चक्काजाम कर दिया। चक्का जाम की सूचना पर तहसीलदार सहित पुलिस के अधिकारी और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों से चर्चा की। ग्रामीणों और परिजनों का कहना था कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए। क्योंकि, वह परिवार में कमाने वाला इकलौता व्यक्ति था। परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद कंपनी की ओर से किसी भी प्रतिनिधि ने ना तो जाकर परिजनों का हाल-चाल जाना ना ही किसी तरह की कोई आर्थिक मदद की बात कही। परिजनों ओर ग्रामीणों ने मांग की है कि कंपनी मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दे।

# जिला भाजपा के नवीन कार्यालय का भूमि पूजन 10 को

## मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री, उपमुख्यमंत्री सहित जिले के जनप्रतिनिधि होंगे शामिल

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर के नवीन कार्यालय का भूमि पूजन दिनांक 10 दिसंबर 2024 मंगलवार को प्रात: 11:30 बजे हॉकी मैदान के सामने बायपास पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के करकमलों से एवं सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, विधायक गण हरदीप सिंह डंग, चन्दरसिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार सहित पूर्व विधायक गण, पूर्व जिलाध्यक्ष गण की गरीमामय उपस्थिति में सम्पन्न होगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में को लेकर आज भाजपा की आवश्यक बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय मंदसौर पर सम्पन्न हुई।

बैठक में सहकारिता प्रकोष्ठप्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गण अनिल कियावत, मुकेश काला, भाजपा जिला महामंत्री गणपत सिंह आंजना, राजेश दीक्षित, पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, सांस्कृतिक प्रकोष्ठप्रदेश सह संयोजक प्रितेश चावला, मंचस्थ थे। बैठक में नवीन भाजपा कार्यालय के भूमि पुजन कार्यक्रम की कार्ययोजना संबंधी दिशा निर्देश देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा कि यह हम सभी कार्यकर्ताओं के लिये बडे हर्ष की बात है की हमारे नवीन कार्यालय भवन का स्वप्न अब साकार होने जा रहा है। हमें इस भूमि पूजन कार्यक्रम को भावनात्मक रूप से लेते हुए प्रत्येक मंडल से हजारों की संख्या में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ प्रत्येक बूथ की नवीन कार्यकारिणी को कार्यक्रम स्थल पर लाना है। भाजपा का प्रत्येक मंडल अध्यक्ष, प्रत्येक जनप्रतिनिधि, प्रत्येक पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी की स्थापना के पूर्व से निष्ठा के साथ विचार रखने वाले वरिष्ठ जनों की उपस्थिति इस भूमि पूजन कार्यक्रम में सुनिश्चित करें। इस अवसर पर संगठन पर्व अंतर्गत जिला संगठन चुनाव सह प्रभारी मानसिंह माछौपुरीया ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा की यह भूमि पूजन कार्यक्रम हम सभी के लिये गर्व की बात है। कई वर्षो से हम सब इस दिन की प्रतिक्षा कर रहे थे, मैं इस पुनीत कार्य के लिये भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया को बहुत-बहुत साधुवाद देता हुँ। इस अवसर पर मानसिंह माछौपुरीया द्वारा विगत दिवस उज्जैन में सम्पन्न हुई संगठन पर्व की बैठक के प्रमुख बिंदुओं से समस्त पदाधिकारी एंव कार्यकर्ताओं को अवगत करवाया।

भूमि पूजन कार्यक्रम में संख्यात्मक रूप से भाजपा जिला महामंत्री गणपत सिंह आंजना ने जिले के प्रत्येक मंडल अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों से वृत्त लिया और अधिक से अधिक संख्या में अपने-अपने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आग्रह किया। बैठक का संचालन भाजपा जिला महामंत्री गणपत सिंह आंजना ने किया एवं आभार जिला महामंत्री राजेश दीक्षित ने माना। इस आवश्यक बैठक में भाजपा पदाधिकारीगण शिवराज सिंह राणा, राजेश पालीवाल, राजेश नामदेव, संजय मुरडिया, हितेश शुक्ला, राजु चावला, नरेन्द्र पाटीदार, कृष्णपाल सिंह शक्तावत, प्रीति रोखले, राजकुमार गुप्ता, दिलीप सिंह तरनोद, अंकित सोनी, निलेश जैन, विनय धनगर, मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता, रणजीतसिंह चौहान, विक्रम सिंह चौहान, अशोक सूर्यवंशी, मनुप्रिया यादव, स्मादेवी गुर्जर, मंडल अध्यक्ष गण सौदान सिंह गुर्जर, उमराव सिंह चौहान, राजमल सुरावत, धीरज संघवी, नेपाल सिंह चौहान, ओमप्रकाश परमार, लाल सिंह देवडा, भरत डांगी, सामंत सिंह शक्तावत, जितेन्द्र जाट, राजेन्द्र सिंह राणा, विकास सुराना, अरविंद सारस्वत, ईश्वर सिंह पंवार सहित मोर्चा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक गण, जनपद अध्यक्ष गण, नगर परिषद अध्यक्ष गण उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

# बड़े अस्पताल में विधायक-डाक्टर के बीच विवाद

**रतलाम, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार रात बड़े अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर और सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार के बीच जमकर कहासुनी हो गई। दोनों ने एक-दूसरे पर गाली देने के आरोप लगाए। पूरे घटनाक्रम का 2 मिनट 53 सेकंड का वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, गुरुवार रात सैलाना विधायक अपने पीएसओ और दो अन्य लोगों के साथ बड़े अस्पताल में किसी मरीज को देखने गए थे। ड्यूटी पर डॉ. सीपीएस राठौर थे। रूम नंबर 8 में जाकर विधायक ने ड्यूटी डॉक्टर के बारे में पूछा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।**

बात इतनी बढ़ी कि गालीगलौज तक जा पहुंची। शोर सुनकर हॉस्पिटल के प्राइवेट गार्ड और बड़ा अस्पताल पुलिस चौकी के जवान भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों को शांत कराया। बताया गया है कि विधायक डोडियार ने डॉ. राठौर के खिलाफ स्टेशन रोड थाने में शिकायत की है। वहीं, डॉ. सीपीएस राठौर ने बड़े अस्पताल की पुलिस चौकी में आवेदन दिया है। इसमें विधायक समेत उनके साथ आए लोगों को नशे में बताया है। डॉ. राठौर ने कहा है कि मेरे साथ कुछ घटना होती है तो विधायक जिम्मेदार होंगे।

### डाक्टर ने पर्ची मांगी, विधायक ने पूछ लिया परिचय...

घटना का जो वीडियो वायरल हुआ है, उसमें विधायक डोडियार डॉक्टर को बोल रहे हैं- बुला किसको चौकी से बुलाएगा। डॉक्टर ने कहा- गार्ड साहब चौकी से बुलाओ। इसी बीच विधायक के पीएसओ ने कहा- आपने गाली क्यों दी? इस पर डॉ. राठौर ने कहा- इलाज कराने आए हो या दादागिरी करने। तुम चारों में से बीमार कौन है? विधायक ने कहा- मैं बीमार हूं। डॉक्टर ने पर्ची मांगी। तब विधायक ने कहा- पहले अपना परिचय बताओ। इस पर बहस होने लगी। विधायक के पीएसओ ने कहा- गाली क्यों दी? पता है कौन हैं ये...विधायक हैं। तब डॉक्टर कहते हैं- मैं बताऊं, मैं कौन हूं? ऑन ड्यूटी डॉक्टर के साथ बदतमीजी कर रहे हो।

# होमगार्ड लाईन में मनाया म.प्र.होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा दिवस समारोह

**नीमच, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिला होमगार्ड लाईन कनावटी में शुक्रवार को म.प्र.होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा दिवस समारोह आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं एसपी श्री अंकित जायसवाल ने इस अवसर पर आयोजित होमगार्ड की भव्य परेड का निरीक्षण कर, सलामी ली। कलेक्टर एवं एसपी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले होमगार्ड सैनिकों और उनके प्रतिभाशाली बेटो को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर सीएसपी श्री अभिषेक रंजन, जैल अधीक्षक श्री यशवंत कुमार मांझी, सहायक संचालक जनसंपर्क श्री जगदीश मालवीय, रक्षित निरीक्षक श्री विक्रम सिह, जिला कमाण्डेंट होमगार्ड श्री युवराज सिह चौहान व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

होमगार्ड लाईन कनावटी में होमगार्ड स्थांपना दिवस एवं नागरिक सुरक्षा दिवस पर आयोजित परेड का नेतृत्व प्लाटून कमाण्डेंट श्रीमती पुष्पा चौहान एवं श्री जयपाल सिह ने किया। प्लाटून कमाण्ड र श्री राजेन्द्र सिह, श्री शंकर सिह एवं श्री यशवंत पंवार के नेतृत्व में जिले की होमगार्ड एवं एसडीआरएफ जवानों ने भव्य एवं आकर्षक मार्च पास्ट परेड प्रस्तुत की। पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने होमगार्ड महानिदेशक श्री अरविंद कुमार के होमगार्ड स्थापना दिवस के संदेश का वाचन किया। कलेक्टर एवं एस.पी. ने आपदा प्रबंधन का उत्कृष्ट कार्य करने वाले पर प्लाडटून कमाण्डेंट श्रीमती पुष्पा चौहान एवं सैनिक क्रमांक-7 श्री लक्ष्मण सिह को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही सैनिक क्रमांक 161 श्री नरेन्द्र सिह चंद्रावत के पुत्र कीर्तिराज सिह द्वारा बीएससी कृषि में 69 प्रतिशत अंक अर्जित करने पर 7500 रूपये की राशि का चैक एवं सैनिक क्रमांक 142 श्री तेजसिह राठौर के पुत्र शिविराज सिह राठौर द्वारा 10वीं में 93 प्रतिशत अंक हांसिल करने पर 5 हजार रूपये का चेक भी प्रदान किया। कलेक्टर एवं एसपी ने उत्कृष्ट कार्य के लिए सैनिक श्री बलवंतसिह एवं श्री मुकेश मेघवाल को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने अपने उदबोधन में होमगार्ड के अधिकारियों एवं जवानों को होमगार्ड दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए आपदा प्रबंधन के कार्यो में उनके योगदान की सराहना की। कलेक्टर एवं एसपी ने होमगार्ड लाईन में आयोजित आपदा प्रबंधन उपकरणों, सामग्री की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो.संजय जोशी ने किया तथा जिला कमाण्डेंट श्री युवराज सिह चौहान ने आभार माना।

# लीड कालेज मंदसौर में अभाविप कार्यकारिणी की घोषणा

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मंदसौर नगर द्वारा प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा मंदसौर भाग संयोजक चंद्रराज सिंह द्वारा की गई।

जिसमें परिसर अध्यक्ष अमित गुप्ता, परिसर मंत्री सुमन कुमावत, परिसर उपाध्यक्ष अर्चना सिसोदिया, राजेंद्रसिंह एवं बलांश, परिसर सह मंत्री जयप्रकाशिका नागवर, युक्ता सक्सेना, जयंत परिहार एवं नरेंद्र सूर्यवंशी, एसएफडी प्रमुख विनय पाटीदार, एसएफडी सहप्रमुख ज्ञानेश भावसार, सुधांशु एसएफएस प्रमुख सुजल, कन्हैयालाल, एसएफएस सह प्रमुख सूरज सोनी को बनाया गया। घोषणा के दौरान जिला एसएफएस प्रमुख अंकित शर्मा ,जिला एसएफडी प्रमुख सर्वज्ञ द्विवेदी, जिला सोशल मीडिया संयोजक विनय शर्मा, मंदसौर नगर सहमंत्री आशय जोशी, कशिश धारू, नगर महाविद्यालय प्रमुख ध्रुव पालीवाल एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# कर्मचारी कॉलोनी अभिनंदन में उद्यान की बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य भूमिपूजन सम्पन्न

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा वार्ड क्र. 21 अभिनंदन क्षेत्र स्थित कर्मचारी कॉलोनी में कल उद्यान की बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। लगभग 7.50 लाख रू. की लागत से बनने वाली बाउंड्रीवाल निर्माण की मांग लम्बे समय से की जा रही थी। कल इसी उद्यान की बाउण्ड्रीवाल कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती निर्मला गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे। श्रीमती गुर्जर ने इस मौके पर निर्माण कार्य को प्रारंभ करने हेतु भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर भाजपा मतदान केन्द्र के प्रमुख जगदीश भावसार, नंदलाल गुजरिया, भाजपा महिला मोर्चा उत्तर मण्डल अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद सुनीता गुजरिया, भाजपा महिला मोर्चा दक्षिण मण्डल अध्यक्ष भावना पमनानी, नपा स्वास्थ्य समिति सभापति दीपमाला मकवाना, क्षेत्र की प्रमुख बहने सुशीला निरंजन भावसार, नमीता तोमर, सुशीला जोशी, रेशमकुंवर, महिला मोर्चा की पदाधिकारीगण रानू भावसार, विद्या कडोतिया, राजेन्द्र यादव, नपा उपयंत्री श्रीमती विधु रानी कौरव भी उपस्थित थे।

# मंदसौर करेगा राष्ट्रीय शालेय हॉकी क्रीड़ा प्रतियोगिता की मेजबानी

## 9 से 13 दिसंबर के बीच खेले जाएंगे मैच

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** 68वीं राष्ट्रीय शालेय हॉकी क्रीडा प्रतियोगिता (14 वर्ष से कम बालिका वर्ग) की मेजबानी मंदसौर करने जा रहा है, इसको लेकर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में बैठक हुई।

बैठक में जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी श्री लोकेंद्र डाभी द्वारा बताया गया कि प्रतियोगिता की अध्यक्ष कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग एवं सचिव श्री लोकेंद्र डाभी जिला शिक्षा अधिकारी मंदसौर है तथा विभिन्न विभागों के आठ प्रमुख जिलाधिकारी इसके सदस्य हैं. भारतवर्ष के 25 राज्यों की 14 वर्ष से कम की बालिका वर्ग की 25 टीमें तथा दो सीबीएसई एवं विद्या भारती की टीम इस प्रतियोगिता में भाग लेगी, जिसमें सामान्यतया हर टीम में 18 खिलाड़ी एक कोच, एक मैनेजर तथा एक दल प्रबंधक सहित कुल 21 लोग सम्मिलित होंगे, इस प्रकार कुल 442 बालिका खिलाड़ी तथा 75 अधिकारी हमारे मेहमान होंगे। प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु 18 समितियां बनाई गई है जिसमें कुल 147 सदस्य हैं. हॉकी के विभिन्न मैच मंदसौर के चार खेल मैदानों एस्ट्रोटुर्फ, उत्कृष्टस्कूल, नूतन स्टेडियम के पास फुटबॉल मैदान व जग्गाखेड़ी स्थित सरस्वती विद्यालय में 9 से 13 दिसंबर के बीच खेले जाएंगे। इससे संबंधित सारी व्यवस्थाओं तथा दायित्वों को सहायक संचालक सुश्री टेरेसा मिंज, जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग विजेंद्र देवड़ा, जिला क्रीडा अधिकारी बंशीलाल बारिवाल, सहायक संचालक एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी आनंद डावर, सुदीप दास एवं के सी सोलंकी द्वारा विभिन्न समितियों के संयोजक तथा समिति सदस्यों को अवगत कराया गया। प्रतियोगिता के सफल होने की शुभकामनाएं श्री अशोक रत्नावत एवं आभार श्रीमती विनीता प्रधान द्वारा व्यक्त किया गया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी हेमंत सुथार तथा मुकेश जैन द्वारा दी गयी।

# मंदसौर नगर के गौरव दिवस को मनाने हेतु दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन करेगी नपा

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने बताया कि विगत वर्षों के अनुसार इस वर्ष भी मंदसौर नगरपालिका के द्वारा मंदसौर नगर का गौरव दिवस मनाने हेतु दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है दिनांक 7 दिसंबर शनिवार को गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर नगर के समस्त चौराहा पर लगी महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं प्रतिमाओं के चारों ओर दीप प्रजज्वलन किए जाएंगे तेलिया तालाब पर सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा के पास व ग्राम सौंधनी स्थित विजय स्तंभ पर सायं 4:00 बजे उपरांत दीप प्रजज्वलन किया जाएगा दिनांक 8 दिसंबर रविवार को मंदसौर गौरव दिवस के दिन सायं 5:00 बजे तेलिया तालाब पर स्थापित सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा के सामने आकर्षक आतिशबाजी की जावेगी तथा मंदसौर गौरव दिवस पर संस्कृति दर्शन अंतर्गत देशभक्ति गीत संगीत नृत्य के कार्यक्रम की प्रस्तुति होगी मंदसौर नगर के गणमान्य नागरिकों से नगरपालिका परिषद आग्रह करती है कि वह इन कार्यक्रमों में शामिल होवे।

**आज होगा पशुपतिनाथ मेला का समापन** – नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर पशुपतिनाथ मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी ने बताया कि आज दिनांक 7 दिसंबर शनिवार को दोपहर 1:00 बजे श्री भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के समीप स्थित कैफेटेरिया परिसर में पशुपतिनाथ मेला का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा सभी गणमान्य नागरिक मेला व्यवसायीये से नगरपालिका परिषद कार्यक्रम में शामिल होने की अपील करती है

### पूर्व गृहमंत्री श्री भारतसिंह को विनम्र श्रद्धांजलि...

# मंदसौर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस को मजबूत बनाने में योगदान दिया था

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** मध्यप्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व गृहमंत्री श्री भारतसिंह जावरा ने प्रदेश के साथ-साथ मंदसौर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस को मजबूत बनाने में अपना विनम्र योगदान दिया था वे तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अर्जुनसिंह के खास सिपहसालार थे। उनके निधन से कांग्रेस को अपूरणीय क्षति हुई है।

सेवानिवृत्त इंजीनियर श्री बी.एस. सिसौदिया से मिली श्री सिंह के दु:खद निधन की खबर ने मन को बैचन कर दिया। साढे चार दशकों पुराना उनका स्नेह, संरक्षण अविस्मरणीय रहा। सत्तर के दशक में प्रतिपक्ष के तत्कालीन नेता श्री अर्जुनसिंह ने तत्कालीन जनसंघ एवं जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री सुंदरलाल पटवा एवं श्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा के बीच खाई डालने के लिये संसदीय क्षेत्र के वरिष्ठ नेता श्री भारतसिंह एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री दिग्विजयसिंह का चयन किया था। इस योजना में श्री सिंह को अभूतपूर्व सफलता मिली। श्री पटवा एवं श्री सखलेचा इस युद्ध में आमने सामने थे और इसका लाभ कांग्रेस को मिला। इस अस्सी के दशक में श्री अर्जुनसिंह के साथ उनकी टीम ने सत्ता के राजनीति की पारी खेली। उस समय श्री भारतसिंह के अलावा श्री हरवशंसिंह, श्री दिग्विजसिंह, श्री इन्द्रजीत पटेल आदि प्रमुख थे। दो दशक तक कांग्रेस मजबूत रही।

मंदसौर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस को मजबूत बनाने में तत्कालीन श्रममंत्री गांधीवादी नेता श्री श्यामसुंदर पाटीदार, तत्कालीन सांसद भंवरलाल नाहटा, बालकवि बैरागी, भारतसिंह दीपाखेडा की सक्रिय भूमिका रही। श्री सिंह ने तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अर्जुनसिहजी, श्री मोतीलाल वोरा के कार्यकाल में महत्वपूर्ण विभाग संभाले वे मंदसौर जिला प्रभारी रहे। उस दौरान संसदीय क्षेत्र में विकास के कई उल्लेखनीय कार्य हुए। वर्ष 1983 में हुए गोलीकांड की घटना के बाद गृहमंत्री के रूप में श्री सिंह ने स्थिति को नियंत्रित किया। वर्ष 1998 में वे सीतामऊसे कांग्रेस के विधायक भी रहे। सर्वहारा वर्ग, श्रमिकों, किसानों के प्रति वे सदैव समर्पित रहे। मध्यप्रदेश एवं मंदसौर संसदीय क्षेत्र में इंटक को भी उन्होंने भरपूर सहयोग दिया। श्री सिंह तीन बार विधायक रहे काफी अरसे तक विभिन्न विभागों का मंत्री की हैसियत से सफलतापूर्वक कार्य संभाला। उनकी राय थी कि क्षेत्र में विकास के लिये अधिकारियों के साथ बेहतर तालमेल जरूरी है। पिछले दो दशकों से कांग्रेस में आई गिरावट के कारण श्री सिंह काफी चिंतित थे। समय-समय पर उनसे इस बारे में चर्चाएँ होती थी। उनकी स्पष्टधारणा थी कि संगठन को सक्रिय होना निरंतर जरूरी है। धरातल में मजबूत नेताओं को ही विधानसभा लोकसभा का उम्मीदवार बनाना चाहिए। उनकी पीड़ा थी कि तिकडम, चापलूस, जनाधार विहिन नेताओं को तवज्जों मिलने के कारण कांग्रेस कमजोर हो रही है। श्री सिंह के निधन पर श्रम शिविर में एक शोकसभा में इंटक जिलाध्यक्ष श्री खूबचन्द शर्मा, जिला उपाध्यक्ष श्री त्रिदेव पाटीदार, श्री गोपाल गुरू, श्री शरद पारीक ने श्री सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें अभूतपूर्व नेता बताया। वे सफल राजनेता, कुशल नेता एवं सफल शासक थे।

**(विक्रम विद्यार्थी)**

# सीए इंस्टीट्यूट के चुनाव आज

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के चुनाव हेतु मतदान मंदसौर में आज प्रात: 8 बजे से आयकर भवन मंदसौर पर होंगे।

उपरोक्त जानकारी देते हुए सीए ब्रांच मंदसौर के चैयरमेन सीए दिनेश जैन ने बताया कि आईसीएआई के मध्य क्षेत्रीय परिषद जिसमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, बिहार, झारखण्ड, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड शामिल है के चुनाव तथा केन्द्रीय परिषद नई दिल्ली के लिये मतदान मंदसौर में आज होगा। केन्द्रीय परिषद की 6 सीटों के लिये 20 उम्मीदवार एवं मध्यभारत क्षेत्रीय परिषद की 12 सीटों के लिये 28 उम्मीदवार मैदान में है। मतदान प्रेफरेंशियल वोटिंग के अनुसार होगा। आपने सभी सीए साथियों से अपील की है कि प्रात: 8 बजे से रात्रि 8 बजे के मध्य उपस्थित होकर मतदान अवश्य करे।

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 89 | 2150 | 2701 |
| उडद | 61 | 5100 | 7180 |
| सोयाबीन | 3700 | 3400 | 4350 |
| गैहु | 1108 | 2770 | 3152 |
| चना | 154 | 4980 | 6431 |
| मसुर | 55 | 5200 | 6140 |
| धनिया | 125 | 6000 | 7300 |
| लहसुन | 11000 | 12000 | 27000 |
| मैथी | 275 | 4800 | 5866 |
| मुंगफली | 4000 | 3800 | 5400 |
| अलसी | 965 | 5600 | 6031 |
| सरसो | 245 | 5400 | 5765 |
| तारामीरा | 3 | 4480 | 4491 |
| इसबगोल | 73 | 9700 | 12700 |
| प्याज | 13500 | 1550 | 3750 |
| कलोंजी | 36 | 12981 | 17980 |
| तुलसी बीज | 15 | 17000 | 18981 |
| डॉलर | 33 | 7500 | 9900 |
| तिल्ली | 27 | 9500 | 12400 |
| जौ | 0000 | 0000 | 0000 |
| मटरसुखी | 0000 | 0000 | 0000 |
| असालीया | 5 | 11401 | 12010 |
| चियाबीज | 38 | 8401 | 12800 |

# कार्यालय नगर परिषद नारायणगढ़, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक-...../2024 नारायणगढ़, दिनांक - 06.12.2024

## ******* नामांतरण विज्ञप्ति *******

सर्व साधारण आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि नगर परिषद सीमा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित भवन/भूमि पर नामांतरण हेतु निम्नांकित व्यक्तियों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किये है, जिनका विवरण निम्नानुसार है। अतः नामांतरण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित में कार्यालय नगर परिषद नारायणगढ़ में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है। समय तिथि पश्चात कोई चाही आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

| क्रं. | मोहल्ले का नाम | वार्ड क्रं. | फाईल क्रं. | सर्वे क्रमांक | नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुतकर्ता आवेदन का नाम | न.प. संपत्तिकर रिकार्ड में दर्ज नाम | परिवर्तन का आधार |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | माली गली | 14 | 46 | रेव. 2056 | कमलेश अम्बालाल पाटीदार | दर्ज नही है | डायवर्शन भूमि स्वामी |
| 2 | होलीथड़ा | 10 | 47 | 1008 पेकी | देवीलाल जगन्नाथ पाटीदार | सागरबाई देवीलाल पाटीदार | उत्तराधिकारी |
| 3 | तम्बोली कुई | 10 | 48 | 1483 | प्रेमलता कंवरलाल डाका | कंवरलाल अमृतराम डाका | उत्तराधिकारी |
| 4 | बुरंज रोड | 4 | 49 | 533, 550 | जीवनकुंवर बलवंतसिंह चौहान | रामसिंह देवीसिंह राजपूत | उत्तराधिकारी |
| 5 | बुरंज रोड | 4 | 50 | 528, 530 | विक्रमसिंह, दिलीपसिंह, दुर्गेश कुंवर | रामसिंह हरिसिंह चौहान | उत्तराधिकारी |
| 6 | मनासा रोड | 15 | 51 | रेव.1681/3 | महेन्द्रसिंह पर्वतसिंह सिसोदिया | दर्ज नहीं है | डायवर्शन विक्रय पत्र |
| 7 | जान्याखेड़ी रोड | 12 | 52 | रेव. 1954/2 | कलावतीबाई, किशोर, मंजूबाई माली | दर्ज नहीं है | डायवर्शन भूमि स्वामी |
| 8 | घाटी मोहल्ला | 4 | 53 | 587 पेकी | रमेश हीरालाल माली | हीरालाल भेरा माली | उत्तराधिकारी |
| 9 | देवरा चौक | 2 | 54 | 125, 126 | उषा पंकज पाटीदार | लक्ष्मीनारायण भुवान तेली | विक्रय पत्र |
| 10 | इमली फाटक | 10 | 56 | 1223 | विमलाबाई कंवरलाल तेली | कस्तुरीबाई मांगीलाल तेली | दान पत्र |
| 11 | नई आबादी | 14 | 57 | रेव.2687 मिन 3 | रानू दीपक सेन | दर्ज नहीं है | डायवर्शन विक्रय पत्र |
| 12 | पहेड़ा मार्ग | 2 | 58 | रेव. 309 मिन 3 | राजेन्द्रकुमार रामनारायण पाटीदार | दर्ज नहीं है | डायवर्शन विक्रय पत्र |
| 13 | समिति चौराहा के पास | 14 | 59 | रेव. 2687 मिन 2 | अलका सुनील यादव | दर्ज नहीं है | डायवर्शन विक्रय पत्र |
| 14 | बखारिया खाल रोड | 12 | 60 | 1722, 1723 | शकुंतला कमलेश पाटीदार | दशरथ भंवरलाल पाटीदार | विक्रय पत्र |
| 15 | नई बस्ती | 9 | 61 | रेव. 1706 मिन | वसीम खान मेहमुद खान | ईस्माईल आमीर खान | डायवर्शन विक्रय पत्र |

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद नारायणगढ़, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

# युवक कांग्रेस फिर से जिंदा हो जाए, यह जमे हुए छत्रप नेता बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे...

**मंदसौर/उज्जैन, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे बन गए हो और राहुल गांधी भले ही युवावस्था पार कर चुके हो, युवा नेतृत्व कहलाते हैं और कांग्रेस के युवाओं का समूह भी उन्हीं के नेतृत्व में काम करना चाहता है। फिर भले ही नवयुवा हो या उम्र दराज सेवानिवृत्ति की उम्र को पार चुका हो, काम राहुल गांधी के नेतृत्व में ही करना चाहता है। ऐसा कारण और वातावरण कांग्रेस मुख्यालय में मुख्य पदों पर बैठे छत्रप कांग्रेसी और भाजपा के समाए हुए स्लीपर सेल सभी चाहते हैं कि कांग्रेस में कागजी अध्यक्ष कोई भी बना रहे पर सांगठनिक नेता और मुखौटा राहुल गांधी ही रहे। यही पदाधिकारी ऐसे वातावरण को मजबूती से दो दशक से बनाए रखे हुए हैं।

चन्द्रमोहन भगत

कांग्रेस मुख्यालय के इस वातावरण पर राजनीतिक समीक्षक और पत्रकारों ने काफी रिसर्च भी किया हुआ है। जो अब यूट्यूब पर पत्रकार बने हुए हैं और कांग्रेस संगठन को राहुल की आड़ में बर्बाद करने वालों को अनेक बार स्पष्ट चिन्हित कर चुके हैं। जब कांग्रेस की कमान सोनिया गांधी के हाथों में आई थी तभी से कांग्रेस के विनाशक चाणक्यों ने अपनी चाटुकारिता के बल पर केंद्रीय कार्यालय में कब्जा जमा लिया था। ऐसा जमाया की राहुल गांधी को भी उंगली पर नचाते रहे। सालों बाद कांग्रेस में लोकतांत्रिक तरीके से संगठन के चुनाव कराए गए तब गांधी परिवार से हटकर मल्लिकार्जुन खड़गे राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं।

इसी तरह से अब युवक कांग्रेस को को भी फिर से जीवित कर ऊर्जावान बनाने की मुहिम शुरू हो चुकी है। पर होगा वही जो मुख्यालय में अहम पदों पर जमे बैठे पदाधिकारी और भाजपाई स्लीपर सेल चाहेंगे। इनका उद्देश्य और भूमिका सभी जानते हैं कि यह टीम किसी भी हालत में कांग्रेस में सुधार होता देख ही नहीं सकते हैं। इनको दायित्व मिला हुआ है कांग्रेस गांधी परिवार के नेतृत्व में ही जीवित रहे, जीवित तो रहे पर मरणासन्न। ताकि उनकी राजनीतिक दुकान चलती रहे और मुख्य पदों पर कब्जा बना रहे। तो कांग्रेस को नई उर्जा प्रदान करने के लिए युवक कांग्रेस जिसका स्वर्गीय राजीव गांधी के समय तक जन आधार और जलवा कायम रहा था। इसी समय तक सेवा दल भी सक्रिय रही थी। धीरे-धीरे सिमटने लगी और सोनिया गांधी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस की यह दोनों संस्थाएं धीरे-धीरे मरने लगी और एक दशक में गंभीर मरणासन्न स्थिति में आ गई थी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष भले ही गैर गांधी परिवार के मल्लिकार्जुन खड़गे चुन लिए गए हैं पर अभी तक मुख्यालय में बैठे विनाशक चाणक्यों की टीम बदल अपनी नई कार्यकारिणी नहीं बना पाए हैं। बना भी नहीं पाएंगे, कारण साफ है कि अगर युवक कांग्रेस और सेवादल जमीन पर मजबूत हो गई तो कांग्रेस का जन आधार बढ़ जाएगा। ऐसे में कांग्रेस विरोधी संगठनों ने जिस काम को करने के लिए इनको संरक्षण के साथ सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं, वह बंद हो जाएगा। प्रदेश में भी युवक कांग्रेस ने अभी अपनी सक्रियता बढ़ाई जरूर है, प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव नए सक्रिय कार्यकर्ता चयन करने के लिए जिलों का दौरा कर रहे हैं। किन्तु, अपने चुने हुए कार्यकर्ता को पदाधिकारी बना पाएंगे, इसमें संदेह है।

क्योंकि सिफारिश करने वाले छत्रप नेता सक्रिय कार्यकर्ता की बजाय अपने पट्ठे को पदाधिकारी बनाने की सिफारिश करेंगे। बल्कि मुख्यालय में बैठे विनाशक पदाधिकारी के निर्देश भी इनको पहले से मिल चुके होंगे कि बगैर जन आधार वाले हारे हुए छत्रप नेताओं की सलाह लेकर अपनी युवा टीम बनना है। ऐसे में टीम तो बनेगी छेत्रीय युवा कार्यकर्ता भले ही पसंद करें या ना करें हालत वैसे ही रहेंगे जैसे अभी हैं। क्योंकि मुख्यालय में अध्यक्ष के करीबी ही चाहते हैं की जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ता कांग्रेस से दूर रहे !

# डीजीपी का निर्देश, अनुशासनहीनता पर रोक लगाने के लिए कदम

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** पुलिस मुख्यालय भोपाल में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना ने आज अपने चार दिवस के अनुभव को साझा करते हुए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। आदेश में उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा अपनी व्यक्तिगत समस्याओं या स्थानांतरण से संबंधित गुजारिशों के लिए सीधे पुलिस महानिदेशक कार्यालय में पहुंचने पर चिंता जताई है। डीजीपी ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए इसे रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं।

नेमीचंद राठौर

**अनुशासन के उल्लंघन पर नाराजगी–** डीजीपी कैलाश मकवाना ने हाल ही के चार दिनों में अधिकारियों और कर्मचारियों के अनुशासनहीन रवैये को नोटिस किया। उन्होंने कहा कि पुलिस मुख्यालय में तैनात अधिकारी और फील्ड में सेवाएं दे रहे पुलिसकर्मी अपनी व्यक्तिगत समस्याओं और स्थानांतरण की मांगों को लेकर सीधे उनके कार्यालय में उपस्थित हो रहे हैं। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि उनके पास आए किसी भी आवेदन में संबंधित विशेष पुलिस महानिदेशक (एसपीजी) या अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अथवा इकाई प्रमुख की अनुशंसा या अनुमति नहीं थी। इसे उन्होंने न केवल अनुशासन के खिलाफ बताया, बल्कि इसे संगठन की कार्यप्रणाली के लिए बाधक करार दिया।

**डीजीपी का आदेश: बिना अनुमति न करें संपर्क–** डीजीपी ने निर्देश दिया है कि पुलिस मुख्यालय या फील्ड में तैनात कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बिना अपने संबंधित वरिष्ठ अधिकारी की लिखित अनुमति और टिप्पणी के उनके सामने उपस्थित न हो। उन्होंने इसे पुलिस विभाग की अनुशासन व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए आवश्यक बताया।

**सभी इकाई प्रमुखों को निर्देश–** इस आदेश के तहत, डीजीपी ने सभी विशेष पुलिस महानिदेशक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और पुलिस इकाई प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट रूप से इस आदेश का पालन करने के लिए कहें। मुख्यालय के अधिकारी और कर्मचारी: संबंधित एसपीजी या एडीजी की अनुमति और टिप्पणी के बिना डीजीपी कार्यालय में न आएं। फील्ड के अधिकारी और कर्मचारी: संबंधित इकाई प्रमुख की अनुमति के बिना पुलिस महानिदेशक के समक्ष उपस्थित न हों।

**अनुशासन की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम–** यह आदेश पुलिस विभाग में अनुशासन और संगठनात्मक संरचना को बनाए रखने के लिए जारी किया गया है। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि बिना वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति और अनुशंसा के इस तरह की व्यक्तिगत गुजारिशें न केवल अनुशासनहीनता को बढ़ावा देती हैं, बल्कि यह विभाग के कामकाज को भी बाधित करती हैं।

**संभावित असर–** इस आदेश के पालन से पुलिस मुख्यालय में अनावश्यक भीड़ और व्यवधान कम होगा। साथ ही, वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारियां स्पष्ट होंगी, जिससे प्रशासनिक कामकाज में सुधार की उम्मीद की जा रही है। डीजीपी कैलाश मकवाना के इस कदम से पुलिस विभाग में अनुशासन की नई लहर चलने की संभावना है। इस आदेश का उद्देश्य विभागीय प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और वरिष्ठता का सम्मान सुनिश्चित करना है।

# शहर में पार्किंग स्थल के लिए निकला प्रशासन

## कलेक्टर-एसपी के साथ नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने और पार्किंग जोन तैयार करने के लिए कलेक्टर अदिति गर्ग, पुलिस कप्तान अभिषेक आनन्द, नगर पालिका अध्यक्ष रमा देवी गुर्जर, सीएमओ सुधीर कुमार सहित नगर पालिका का अमला शहर में निकला। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब जिले के आला अधिकारियों के साथ नगर पालिका व जन प्रतिनिधियों ने शहर के पार्किंग व्यवस्था के लिए जगह चिन्हित की हो। इससे पहले भी सब्जी मंडी क्षेत्र, कालाखेत क्षेत्र में पार्किंग के लिए स्थान चिन्हित किए गए थे, लेकिन आज तक शहर में पार्किंग स्थल का निर्माण नही हो पाया।

**कलेक्टर बोले–पार्किंग के स्थान चिह्नित किए–** कलेक्टर अदिति गर्ग ने बताया कि आज शहर के विभिन्न स्थानों पर पार्किंग लोकेशन कहा-कहा बनाए जा सकते है और यातायात में कैसे सुधार लाया जा सकता है इसे देखने के लिए हम लोग गए थे। पार्किंग व्यवस्था केलिए कुछ स्थान चिन्हित किए है। एसपी अभिषेक आनंद ने कहा कि शहर में ट्रैफिक और पार्किंग समस्या है। इसमें जो सुधार कर सकते है उसे देखा है। पार्किंग के लिए कुछ स्थान चिन्हित भी किए है। कई लोगों के सुझाव भी हमें मिले हैं। आज हमने जॉइंट विजिट कर स्थानों को देखा है । नगर पालिका अध्यक्ष रमा देवी गुर्जर ने बताया कि घंटा घर क्षेत्र में पार्किंग स्थल का निर्माण करवाया जाएगा, इसके लिए जल्द ही प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

## होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा आपदा प्रबंधन स्थापना दिवस मनाया

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** 78वें होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा आपदा प्रबंधन स्थापना दिवस पर्व के उपलक्ष्य में स्थापना दिवस कार्यक्रम होमगार्ड कार्यालय परिसर में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्गएवंपुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद उपस्थिति में मनाया गया। जिला सेनानी श्री धर्मराज वर्मा के द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। पश्चात परेड कमांडर श्री रब्बी उल्ला काजी के नेतृत्व में 4 प्लाटूनो के द्वारा मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। तत्पश्चात परेड कमांडर द्वारा मुख्य अतिथि को परेड का निरीक्षण करवाया गया । परेड मार्च पास्ट किया गया। जिसके पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा महा महिम राष्ट्रपति, गृहमंत्री एवं होमगार्ड विभाग का संदेश वाचन किया गया। एसडीआरएफ द्वारा लगाई गई आपदा प्रबंधन सामग्री की प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएफओ, जिला पंचायत सीईओ, एडिशनल एसपी, सीएसपीएवं थाना प्रभारी एवं लाइन सूबेदार उपस्थित थे।

# ठगी करने वाले युवक ने स्वयं को किया कमरे में बंद..!

## पुलिस पकड़कर ले गई, टीआई का कहना ठगी जैसा मामला नही, ठग पर कार्रवाई का साहस नही जुटा पा रही पुलिस

**पिपलियामंडी, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** लोगों से लाखों रुपए की ठगी करने वाले एक युवक ने स्वयं को कमरे में बंद कर लिया, सूचना पर पुलिस पहुंची व युवक को पकडकर थाने ले गई। इधर टीआई का कहना है लेन-देन के मामले है, लोगों ने स्वेच्छा से युवक को रुपए दिए है, ठगी जैसा मामला नही है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को दोपहर अजय टॉकीज मार्ग पर ब्रिज के पास एक काम्पलेक्स में ठगी करने वाले युवक को लोगों ने देखा तो पकडने की कौशिश की व लोग एकत्रित हो गए, जिस कमरे में युवक था उस कमरे को उक्त युवक ने अंदर से बंद कर लिया। लोगों ने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन युवक ने दरवाजा नही खोला। सूचना पर पिपलियामंडी पुलिस पहुंची व मशक्कत के बाद दरवाजा खुलवाया व युवक को पकडकर थाने ले गई।

**कई लोगों के साथ कर रखी ठगी:–** करण पिता दिनेश माली ने पुलिस चौकी पर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके साथ अम्बाव निवासी अंकितसिंह पिता ईश्वरसिंह शक्ताव ने बीमारी का बहना बनाकर डेढ लाख रुपए लिए लेकिन बाद में वापस नही दिए और गायब हो गया। इसी तरह गुडभेली निवासी अशोककुमार पिता बंशीलाल साहू ने रिपोर्ट दजर्ह कराई कि अंकितसिंह पिता ईश्वरसिंह ने मुझे शेयर मार्केट में ढाई लाख रुपए लेकर फायदा दिलाने की बात बोली, लेकिन बाद रुपए लेने के बाद वह गायब हो गया। इसी तरह करीब तीन अन्य लोगों को भी प्रलोभन देकर रुपए लिए और वापस नही दिए और फरार हो गया। कुछ लोग बदनामी के डर से पुलिस को रिपोर्ट दर्ज नही करा रहे है। बताया गया कि अंकितसिंह ने कई लोगों से इस तरह प्रलोभन देकर रुपए ऐंठ रखे है। पुलिस थाने व चौकी पर शिकायत दर्ज होने के बाद भी पुलिस उक्त ठगोरे के खिलाफ कार्रवाई करने का साहस नही जुटा पा रही है।

**लेन-देन के मामले है:–** टीआई विक्रमसिंह इवने का कहना है लेन-देन के मामले है, लोगों ने स्वेच्छा से युवक को रुपए दिए है। ठगी जैसा कोई मामला नही है।

## प्रदेश में कक्षा 5 एवं 8 की वार्षिक परीक्षा की अंकसूची का वितरण

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रदेश में परीक्षा सत्र 2023-24 के कक्षा 5वीं एवं 8वीं की बोर्ड पैटर्न की परीक्षा अंकसूची का वितरण शालाओं के माध्यम से किया गया है। इस वर्ष 25 लाख 54 हजार से अधिक विद्यार्थियों को अंकसूची का वितरण किया गया है।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने कक्षा 5 एवं 8 के परीक्षा परिणाम देखने के लिये 23 अप्रैल 2024 को परीक्षा पोर्टल पर छात्रवार सुविधा प्रदान की थी। इस वर्ष छात्रवार अंकसूचियों का मुद्रण मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के माध्यम से कराया गया था। कक्षा 5 में 13 लाख 11 हजार 21 और कक्षा 8 में 12 लाख 42 हजार 992 अंकसूचियों का मुद्रण कराया गया। जिले में अंकसूची का वितरण बीआरसीसी के माध्यम से शालावार कराया गया। मान्यता प्राप्त अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं एवं मदरसों के पंजीकृत छात्रों के मान से छात्रवार परीक्षा शुल्क का भुगतान कक्षा 5 के लिये 50 रूपये प्रति छात्र और कक्षा 8 के लिये 100 रूपये प्रति छात्र निर्धारित किया गया था। छात्रवार अंकसूचियों के वितरण से पूर्व परीक्षा शुल्क जमा कराने की सुविधा परीक्षा पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। ऐसी अंकसूची जिनमें त्रुटि है, उनमें सुधार के लिये शाला के प्राचार्य से संपर्क किया जा सकता है। इसके साथ ही बीआरसीसी और विकासखंड शिक्षा अधिकारी से भी इस संबंध में संपर्क किया जा सकता है।

## जिला चिकित्सालय मंदसौर से पल्स पोलियों अभियान की जागरुकता रैली सम्पन्न

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारीद्वारा बताया गया कीपल्स पोलियों अभियान की जागरुकता हेतु 06दिसम्बर2024 को प्रात: 09.30 बजे स्वास्थ्य विभाग एवं रोटरी क्लब के सहयोग से जिला चिकित्सालय परिसर मंदसौर से रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभांरभश्रीमती रमादेवी गुर्जर नगर पालिका अध्यक्ष मंदसौर, प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सतीष गोड द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली शुभारंभ अवसर पर अध्यक्ष रोटरी क्लब श्री सुरेन्द्र जैन, सदस्य श्री पवन पोरवाल, श्री संजय गोठी, डॉ सुरेश सोलंकी जिला टीकाकरण अधिकारी, डॉ रितेश बजाज, एसएमओ डब्लयूएचओ रतलाम शासकीय नर्सिंग कालेज एवं मिरेकल नर्सिंग कालेज के छात्र छात्राएँ उशा कार्यकर्ताएँ तथा स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक एवं अधिकारी कर्मचारी रैली में उपस्थित थे। नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा जिले के समस्त नागरिकों से अपील कि वे अपने 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पोलियों बुथ पर ले जाकर पोलियों की दवा अवश्य पिलायें।प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सतीष गोड द्वारा बताया गया कि जिले में 0 से 05 वर्ष तक के 158378 बच्चों हेतु 1235 बुथ 12 मोबाईल टीम तथा 34 ट्रांजिट टीम बनाई गई है जो 08 दिसम्बर 2024 को बुथ पर तथा 09 एवं 10 दिसम्बर को घर-घर जाकर बच्चों को दवाई पिलाएगी। पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ जिला चिकित्सालय परिसर में 08 दिसंबर 2024 को प्रात: 09.30 बजे किया जाएगा।

### मंदसौर जिला प्रेस क्लब के प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में पूर्व मंत्री डंग ने कहा...

# सही काम पर शाबासी तो गलती पर सही दिशा दिखाती मंदसौर प्रेस

## पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में हर संभव काम हुए सुवासरा विधानसभा में

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** मन्दसौर जिला प्रेस क्लब के प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं सुवासरा विधायक हरदीपसिंह डंग शामिल हुए। प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में विधायक डंग ने कहा कि मन्दसौर की प्रेस न केवल जागरूक बल्कि सर्व हितैषी होकर सकारात्मक दृष्किोण वाला समूह हैं। सही काम पर शाबाशी तो काम व व्यवस्था में गलती पर सही दिशा दिखाने का काम भी मन्दसौर प्रेस का रहा हैं। डंग ने कहा कि मन्दसौर जिला प्रेस क्लब मन्दसौर जिले के सकल पत्रकारों की सबसे पुरानी संस्था हैं। पत्रकारों के हितों के संरक्षण और उनको उत्कृष्ट सुविधाएं देने की दिशा में प्रेस क्लब द्वारा किये गए प्रयास अनुकरणीय हैं।

**चम्बल का पानी पहुंचा खेतो तक –** विधायक हरदीपसिंह डंग के क्षेत्र में हुए विकास कार्यो की जानकारी देते हुए बताया कि चंबल का पानी खेतों में तक लाने के लिए 1662 करोड से ज्यादा की योजना लाई गई। आज क्षेत्र के हजारों किसान इससे लाभान्वित हो रहे हैं। इसी तरह से गांधी सागर का पानी भी घरों और खेतों तक पहुंचाने की योजना क्षेत्र में लाई गई।

**शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का हुआ विस्तार –** पूर्व मंत्री व विधायक डंग ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सुविधाओं को बढ़ाने का कम किया हैं। सुवासरा विस में तीन सिविल हॉस्पिटल स्वीकृत हुए है। तीनों जगहों पर काम चल रहा है। स्वास्थ्य और सामुदायिक केंद्रों पर भी विकास कार्य हुए है। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने बताया कि पहले सिर्फ सीतामऊमें कॉलेज था। अब शामगढ और सुवासरा में भी कॉलेज हैं। लदूना और चंदवासा में 35-35 करोड की लागत के सीएमराइज स्कूल बने। पहले सीतामऊतक बालिकाओं को पढाई के लिए आना पडता था। स्कूल खुलने के बाद बालिकाओं को राहत मिली है।

**बिजली समस्या से मिली निजात –** पूर्व कैबिनेट मंत्री डंग ने कहा कि शामगढ के साथ ही सुवासरा, कोटडा बहादुर व बसई सहित अन्य जगहों पर करोड़ों के विद्युत ग्रीड लगाए गए। जिससे बिजली समस्या से निजात मिली। इसके अलावा क्षेत्र के प्रसिद्ध मंदिरों में चौबीस घंटे बिजली की व्यवस्था की गई।

**धार्मिक व पर्यटन स्थलों का हुआ विकास –** पूर्व मंत्री डंग ने बताया कि पर्यटन के क्षेत्र की बात करें तो धर्मराजेश्वर के साथ ही मोडी माताजी मंदिर व महिषासूर मर्दिनी मंदिर समर सभी जगहों पर विकास कार्य हो रहा है।

**सड़को और रोजगार को लेकर ठोस प्रयास किये –** विधायक डंग ने बताया कि पूरे क्षेत्र की सडक कोनक्टिविटी को लेकर फोरलेन, ऐटलेन और ब्राडगेज निर्माण के क्षेत्रों में काम हुआ है। हरदीपसिंह डंग ने कहा कि सेमली कांकड में सडक व पानी सहित अन्य सुविधाओं के टेंडर हो चुके हैं। यहां मछली पालन केंद्र से कई लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा दूध डेयरी का सबसे बडा केंद्र यहां होगा। जिसके लिए आवश्यक सभी सुविधाएं यहां हैं।

**सरपंच से विधायक तक का सफर किया तय –** अपने राजनीतिक सफर को लेकर पूर्व मंत्री डंग ने कहा कि मुझे राजनीति में लाने में महती भूमिका मेरे माता-पिता ने निभाई। माता-पिता ने कहा कि मनुष्य जीवन मिला है तो नाम और सेवा करों। मैंने सेना में जाने के लिए मन बनाया और तैयारी की। लेकिन उम्र छह माह अधिक होने के कारण मैं सेना में नहीं जा सका। इसके बाद सरपंच से विधायक का सफर तय किया। क्षेत्र में विकास के जो सपने मैंने देखे थे, वह साकार हो रहे हैं।

**हार से शुरू हुआ सफर, लेकिन नहीं मानी हार –** उन्होंने बताया कि 1994 में पहली बार सरपंच पद के लिए चुनाव लडा और मैं हार गया। इसके बाद अगले चुनाव में मैं जीतकर सरपंच बना। इसके बाद जिला पंचायत सदस्य के लिए मैदान में उतरा। जिसमें कुल 18 उम्मीदवार मैदान में थे। इस चुनाव में मैंने विजय हासिल की और बाकी सभी 17 की जमानत जब्त हो गई। 2008 में जिपं सदस्य का चुनाव हारा। इसके बाद 2013 में विधायक का चुनाव जीता। अब तक चार बार जनता ने मुझे विस में विधायक के रूप में काम करने का मौका दिया। एक बार मंत्री के रूप में भी सेवा का अवसर मिला। विकास के सपने को लेकर मैं विधायक बना था, वह पूरा हुआ है। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा के साथ हुई। मुख्य अतिथि हरदीपसिंह डंग और प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने मां सरस्वती के तस्वीर पर माल्यार्पण किया। अतिथियों का स्वागत मन्दसौर जिला प्रेस क्लब के नव मनोनीत अध्यक्ष पुष्पराजसिंह राणा, निवृतमान अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, सचिव राहुल सोनी व उपाध्यक्ष प्रकाश सिसोदिया ने किया। स्वागत भाषण देते हुए नवनियुक्त अध्यक्ष पुष्पराजसिंह राणा ने कहा कि प्रेस क्लब पत्रकारों के हितों के लिए काम करता है। संस्था हमेशा संकट में पत्रकारों के साथ खडी है। कार्यक्रम का संचालन मन्दसौर जिला प्रेस क्लब के सचिव राहुल सोनी ने किया। आभार वरिष्ठ पत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल ने माना।

# सशस्त्र सेना झंडा दिवस का किया आयोजन

**मंदसौर, 06 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मंदसौर ग्रुप कैप्टन श्री संजय दीक्षित ने बताया कि सन 1947 से हर वर्ष 07 दिसम्बर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के रुप में मनाया जाता है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर भारतीय सशस्त्र सेनाओं के वीर सैनिको के कल्याण हेतु स्वेच्छानुसार जनसाधारण से धन संग्रहण किया जाता है। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा जिले के समस्त विभागों, कालेजो, स्कूलों तथा जनमानस से स्वेंच्छिक रुप से सशस्त्र सेना झंडा निधि में अनुदान राशि देकर सैनिक और उनके परिवार के कल्याण हेतु अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की अपील की गई है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी/कल्याण संयोजक एवं समस्त कर्मचारीगण जिला सैनिक कल्याण कार्यालय मन्दसौर द्वारा जिला कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्गएवं जिले के समस्त विभाग प्रमुखो को सशस्त्र सेना दिवस के अवसर पर प्रतिकात्मक फ्लेग / लेपल पिन लगाकर सशस्त्र सेना झंडा दिवस की राशी संग्रहण की शुरुआत की गई।

## एक महिला की मौत, तीन... पेज 1 से जारी

तीन चार लोगों को राउंडअप किया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। सभी आरोपियों की जल्द पहचान कर गिरफ्तार किया जाएगा। मामले में पुलिस ने हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

**पटवारी ने किया ट्वीट–** घटना को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ट्वीट किया। जिसमें उन्होंने लिखा कि देखिए मुख्यमंत्री जी, कमजोर कानून-व्यवस्था ने राजगढ के बाद अब मंदसौर जिले को भी कलंकित किया है! गरोठ विधानसभा के ढाकनी गांव में भी दबंगों ने दलित परिवार पर हमला किया! हिंसक घटनाक्रम में गोली लगने से एक महिला की मौत हो गई! मध्य प्रदेश के सबसे असफल गृहमंत्री के रूप में दर्ज आपका कार्यकाल एक और सरकारी-हत्या का गवाह बन गया है! बीजेपी फार एमपी राज में दलित होना अपराध हो गया है! वंचित और शोषित वर्ग के उत्पीडन पर सीएम मप्र चुप है! दलित समाज को इस चुप्पी का जवाब देना ही होगा!


**कार्यालय नगर परिषद सुवासरा, जिला मंदसौर (म.प्र.)**

Email-cmosuwasra@mpurban.gov.in, Phone & Fax-07426-220756

क्र.3571/2024 सुवासरा दिनांक–05.12.22024

****** इश्तहार सूचना ******

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद सुवासरा जिला मंदसौर में अनुकम्पा नियुक्ति हेतु दो आवेदन निम्नानुसार प्रस्तुत हुए है–

| क्रं. | नाम आवेदक मय पिता | पता | मृतक कर्मचारी से संबंध | पद जिस पर अनुकंपा नियुक्ति चाही गई | मृतक कर्मचारी का नाम जिसकी मृत्यु पर अनुकंपा चाही गई | मृत्यु दिनांक | मृत्यु के समय पदांकित संस्था |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | दुर्गेश पिता पप्पूलाल पथरोड | वार्ड क्रं.07, गायत्री मंदिर के पीछे, सुवासरा | पुत्र | सफाई संरक्षक | पप्पूलाल पिता बाबुलाल पथरोड | 21.11.2023 | नगर परिषद सुवासरा |
| 02 | रितिक पिता रामलाल पथरोड | वार्ड क्रं.07, गायत्री मंदिर के पीछे, सुवासरा | पुत्र | सफाई संरक्षक | रामलाल पिता केशुराम पथरोड | 02.10.2024 | नगर परिषद सुवासरा |

अतः उक्त अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरण में जिस किसी को कोई भी आपत्ति हो तो मय आवश्यक दस्तावेजों के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस में अपनी लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 05.00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है।

संजय राठौर
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद सुवासरा



*** पूजारी चाहिए ***

**श्री हरिहर धाम**

वेदांत विहार, लक्ष्मी नगर, अभिनंदन रोड, मंदसौर
मंदिर में विराजित दिव्य प्रतिमाओं के पूजन
और आरती के लिए पूजारी की आवश्यकता है।

** संपर्क समय **
दोपहर 2 बजे से शाम 06 बजे तक
मो. 9424033322, 9425105927, 9340060227



**कार्यालय नगर परिषद सुवासरा, जिला : मंदसौर**

ULBCode:802214

Email:cmosuwasra@mpurban.gov.in Contact: 07426-220756

क्र/स्व.भा.मि. /3575 सुवासरा, दिनांक 05/12/2024

*** सार्वजनिक-सूचना ***

**गैर-बायोडिग्रेडेबल 120 माइक्रोन से कम वाले प्लास्टिक बैग/प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग, बिक्री और भंडारण आदि पर प्रतिबंध के संबंध में**

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि निकाय द्वारा प्लास्टिक अपविष्टप्रबंधन (संशोधन) नियम-2022 प्रभावशील किया गया है। अत: संपूर्ण निकाय सीमा क्षेत्र में इस सूचना प्रसारण के उपरांत यदि कोई व्यक्ति/दुकानदार/संस्थान आदि गैर-बायोडिग्रेडेबल 75 माइक्रोन से कम वाले प्लास्टिक बैग एवं अन्य सिंगल यूज प्लास्टिक जिसमें प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक, आइस्क्रीम की डंडिया, पोलीस्टाइरीन (थर्माकोल) की सजावटी सामग्री, प्लेट, कप, ग्लास, कांटे, चम्मच, चाकु, स्ट्रॉ. ट्रे जैसे कटलरी आदि का उपयोग, भंडारण, परिवहन, विक्रय, उत्पादन आदि करता पाये जाने की स्थिति में संबंधित के विरूद्ध स्पाट फाईन/जुर्माना एवं जप्ति के साथ ही अन्य आवश्यक कार्यवाही की जावेगी।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद सुवासरा

सूचना जानिए...


स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in